नई दिल्ली ■ शुक्रवार 01 मई 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 33 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल, करनाल एवं मुजफ्फरनगर से प्रकाशित

04 आरक्षण की आवश्यकता समझने की जरूरत | 07 स्पिनर गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे: मुरलीधरन | 'आखिरी सवाल' को लेकर मेकर्स की बढ़ी चिंता 08

टुडेज चाणक्य के एग्जिट पोल में भाजपा को बंगाल में प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान

नई दिल्ली। देश के चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों में मतदान संपन्न होने के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को जारी एक नये एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) में संभावना जताई गई है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल और असम में प्रचंड जीत हासिल करेगी, जबकि द्रमुक तमिलनाडु में सत्ता बरकरार रखेगी।

'टुडेज़ चाणक्य' ने अपने सर्वेक्षण में केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के कड़े मुकाबले की भविष्यवाणी की है। उसका अनुमान है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ 69 सीट और माकपा की अगुवाई वाला एलडीएफ 64 सीटें जीत सकता है। उसका कहना है कि केरल के उसके अनुमान में नौ सीटें कम या ज्यादा हो सकती हैं। केरल

में विधानसभा की कुल 140 सीटें हैं। पश्चिम बंगाल के लिए 'न्यूज 18' द्वारा किए गए एक अन्य एग्जिट पोल में भाजपा को 143-163 सीटें और तृणमूल कांग्रेस को 127-147 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। 'टुडेज़ चाणक्य' ने पश्चिम बंगाल में भाजपा को 192 सीटें और तृणमूल कांग्रेस को 100 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है।

पश्चिम बंगाल में कुल 294 सीटें हैं और बहुमत का आंकड़ा 148 है। 'टुडेज चाणक्य' ने असम के लिए भविष्यवाणी की है कि भाजपा को 102 सीटें और कांग्रेस को 23 सीटें मिलेंगी। असम विधानसभा में 126 सीटें हैं और बहुमत का आंकड़ा 64 है। 'टुडेज़ चाणक्य' ने तमिलनाडु को लेकर आकलन किया है कि द्रमुक तमिलनाडु में सत्ता में वापसी करेगी और अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके अपने पहले ही चुनाव में मुख्य विपक्षी दल की भूमिका में स्थापित हो जाएगी। इस सर्वेक्षण में कहा गया है कि द्रमुक गठबंधन को 125 सीटें, टीवीके को 63 सीटें और एआईएडीएमके प्लस को 45 सीटें मिलेंगी। तमिलनाडु में कुल 234 सीटें हैं और जादुई आंकड़ा 118 है। पश्चिम बंगाल में बुधवार को दूसरे एवं अंतिम चरण में मतदान संपन्न हुआ। इससे पहले बीते 23 अप्रैल को राज्य की 152 सीटों पर मतदान हुआ था। प्रदेश में विधानसभा की कुल 294 सीटें हैं। केरल, असम और पुडुचेरी में नौ अप्रैल तथा तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान संपन्न हुआ था।

छत्तीसगढ़ में ईडी की टीमों ने कारोबारियों के ठिकानों पर की छापेमारी

बिलासपुर/दुर्ग। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दो अलग-अलग टीमों ने गुरुवार सुबह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर और दुर्ग में कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया। ईडी की टीम ने जहां दुर्ग में भाजपा नेता और अमर इंफ्रा के संचालक चतुर्भुज राठी के महेश कॉलोनी स्थित निवास पर सुबह-सुबह दबिश दी वहीं बिलासपुर में सर्राफा कारोबारी विवेक अग्रवाल के ठिकानों पर पर भी छापेमार कार्रवाई की गई। दुर्ग में ईडी की कार्रवाई भारतमाला परियोजना से जुड़े कथित जमीन घोटाले की जांच के सिलसिले में की जा रही है। ईडी की टीम मौके पर दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है।

जबलपुर के बरगी बांध में पलटा क्रूज, 4 लोगों की मौत

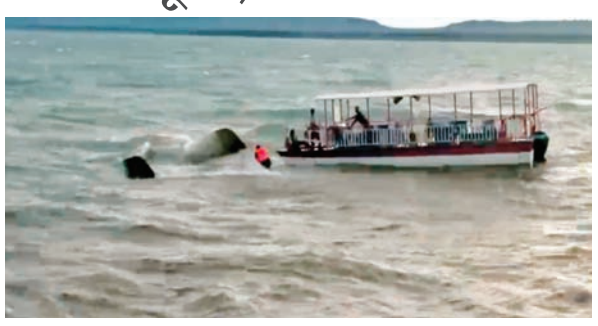

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में अचानक आई आंधी के कारण करीब 35-40 लोगों को लेकर जा रहा एक क्रूज बरगी नदी में पलट गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

बरगी शहर के पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) अंजुल मिश्रा ने बताया कि चार शव बरामद किए गए हैं और 18 को सुरक्षित बचा लिया गया जबकि 15 से 18 लोग अब भी लापता हैं। अधिकारी ने बताया कि अचानक आंधी के कारण क्रूज पलटने के समय करीब 35-40 लोग क्रूज पर सवार थे। उन्होंने बताया कि शेष लोगों को बचाने के लिए राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

मप्र के कान्हा में बाघिन और 4 शावकों की मौत

मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में स्थित देश की शान माने जाने वाले कान्हा टाइगर रिजर्व में बीते नौ दिनों में हुई पांच बाघों (एक बाघिन और उसके चार शावकों) की मौत के मामले में बड़ा संकेत मिला है।

प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में इन मौतों का कारण घातक 'केनाइन डिस्टेंपर वायरस' (सीडीवी) संक्रमण बताया गया है। कान्हा के उप निदेशक प्रकाश कुमार वर्मा ने गुरुवार को बताया कि जबलपुर स्थित स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ में हुए परीक्षणों में वायरस के संकेत मिले हैं। हालांकि, इसकी विस्तृत रिपोर्ट अभी आना बाकी है।

गौरतलब है कि कान्हा की प्रसिद्ध बाघिन टी-141 के तीन शावकों की मौत 21 से 25 अप्रैल के बीच हो गई थी। इसके बाद गंभीर रूप से बीमार बाघिन और उसके एकमात्र बचे शावक को रेस्क्यू कर मुक्की क्वॉरेंटाइन सेंटर में रखा गया, लेकिन एक दिन पहले ही यानी बुधवार (29 अप्रैल) को बाघिन टी-141 और उसके चौथे शावक की भी मौत हो गई।

दिल्ली-एनसीआर में आंधी-बारिश के साथ गिरे ओले लोगों को गर्मी से राहत

नई दिल्ली। दिल्ली समेत एनसीआर में गुरुवार दोपहर आंधी-बारिश के साथ कुछ इलाकों में ओले गिरने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। उत्तर प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के यमुना विहार, करावल नगर, उस्मानपुर और सीलमपुर समेत कई इलाकों में आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे हैं।

भारतीय मौसम विभाग द्वारा पहले ही 30 अप्रैल के लिए पूर्वानुमान जारी किया गया था। जारी रिपोर्ट के अनुसार, इस दिन अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने का अनुमान था। वहीं, आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) का स्तर 48 प्रतिशत से 30 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना जताई गई थी। मौसम विभाग के मुताबिक, यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आया है। आगामी एक सप्ताह तक इसी तरह का मौसम बने रहने की आशंका जताई गई है। विभाग ने पहले ही आज दिन के दौरान आंशिक रूप से तेज हवा और बारिश की आशंका जताई थी। लोग बारिश और ओले गिरने के वीडियो अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लगातार शेयर कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार खराब मौसम से प्रभावित गेहूं की खरीद नियमों में छूट देने को पहले ही मंजूरी दे चुकी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को ही इस वर्ष रबी मार्केटिंग सीजन (आरएमएस) 2026-27 के लिए पूरी दिल्ली के सभी जिलों में गेहूं खरीद के गुणवत्ता मानकों में विशेष छूट को मंजूरी दी है, इस सीजन की शुरुआत से ही लागू होगी।

संक्षिप्त खबरें

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 6330 वाहनों के चालान

नोएडा। यातायात पुलिस ने जिले में गुरुवार को जांच अभियान चलाया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 6330 वाहनों के ई-चालान किए गए। वहीं, 10 वाहनों को जब्त किया गया। हेलमेट न लगाने पर 2688, तेज गति में वाहन चलाने पर 331 और मोबाइल फोन पर बात करते हुए गाड़ी चलाने पर 49 वाहनों के चालान किए गए। विशेष अभियान के अंतर्गत नो पार्किंग के कारण 631 और विपरीत दिशा में गाड़ी चलाने के कारण 502 वाहनों के चालान किए गए।

जीडी गोयंका स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिता में प्रतिभा दिखाई

ग्रेटर नोएडा। जीडी गोयंका स्कूल में गुरुवार को बहुभाषी साहित्य उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 25 स्कूलों के छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिताओं में हास्य पंक्तियों का प्रस्तुतीकरण, मौन की कला, चित्र संवाद, वाद-विवाद प्रतियोगिता, काव्य प्रस्तुति और पांच शब्दों से एक कहानी जैसी रोचक गतिविधियां आयोजित की गईं।

वाहन चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-126 पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह के दो बदमाशों को बुधवार रात गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से चोरी की स्कूटी, एक बाइक और अवैध हथियार बरामद हुए हैं। एसीपी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि कोतवाली सेक्टर-126 पुलिस ने वाहन चुराने वाले दो बदमाशों को दबोच लिया। आरोपियों की पहचान अलीगढ़ के खुर्द खेड़ा गांव निवासी कैलाश सिंह बघेल और कानपुर देहात के सिथरा बुजुर्ग निवासी कार्तिक वाजपेई के रूप में हुई। दोनों सेक्टर-पांच स्थित हरौला गांव में किराए पर रहते हैं।

तीन किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

नोएडा। शहर में अलग-अलग स्थान से तीन किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गईं। परिजनों को जब वे संभावित स्थानों पर नहीं मिलीं तो उन्होंने अपहरण की आशंका जताते हुए संबंधित थानों में मुकदमे दर्ज कराए। पुलिस की टीमें उन्हें खोज रही हैं। जिला मुरादाबाद निवासी एक व्यक्ति ने सेक्टर-49 थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह बरौला गांव में किराये पर रहते हैं। उनकी 16 वर्षीय बेटी 22 अप्रैल की रात से लापता है। उन्होंने उसे परिचितों और रिश्तेदारों समेत सभी संभावित स्थानों पर खोजा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। वहीं, जिला शाहजहांपुर निवासी व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि वह वर्तमान में बरौला गांव मे किराए पर रहते हैं। उनकी 15 वर्षीय बेटी 21 अप्रैल की रात करीब नौ बजे बिना बताए कहीं चली गई। शुरुआत में उसके लौटने की उम्मीद रहे। इसके बाद परिचितों और रिश्तेदारों के यहां खोजबीन की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। वहीं, सेक्टर-2 निवासी व्यक्ति ने फेज-वन थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

हंगरी दूतावास की सलाहकार का एमिटी दौरा

नोएडा। नई दिल्ली स्थित हंगरी दूतावास की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सलाहकार डॉ. डायना डैजी ने एमिटी विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भारत और हंगरी के बीच विज्ञान व तकनीक के क्षेत्र में मजबूत होते संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दोनों देश संरचित शोध सहयोग और संस्थागत जुड़ाव के माध्यम से साझेदारी को और आगे बढ़ा रहे हैं। एमिटी की फैकल्टी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की डीन डॉ. सुनिता रतन ने इसे दोनों देशों के शैक्षणिक संस्थानों के बीच रिश्ते मजबूत करने की दिशा में अहम कदम बताया। इस मौके पर डॉ. वी. के. जैन, डॉ. नूतन कौशिक समेत अन्य उपस्थित रहे।

आभार दिवस पर बच्चों ने बांटा घरेलू सामान

दनकौर। कस्बे के एसडीआरवी कॉन्वेंट स्कूल में बृहस्पतिवार को आभार दिवस मनाया गया। बच्चों ने जरूरतमंद लोगों को घरेलू सामान बांटकर खुशी साझा की। स्कूल की प्रिंसिपल गार्गी घोष ने बताया कि बच्चों ने स्कूल के कर्मचारियों आदि के लिए दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली चीजें तेल, साबुन, घी, दाल व कोलगेट आदि दिया। इस दिवस को बच्चों ने एक दूसरे के प्रति सम्मान करने के उद्देश्य से मनाया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

पीसीएस में सफलता पर निधि और नेहा नागर सम्मानित

ग्रेटर नोएडा। डेरी मच्छा गांव में पीसीएस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर असिस्टेंट कमिश्नर (जीएसटी) पद पर चयनित होने पर कुमारी निधि नागर और कुमारी नेहा नागर को सम्मानित किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने दोनों को सम्मानित करते हुए उनकी उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण बताया। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष मनवीर नागर की पुत्रियों निधि नागर और नेहा नागर ने पीसीएस परीक्षा में 156वीं और 161वीं रैंक प्राप्त की है। इस उपलब्धि पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि उनकी सफलता न केवल परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी ने दोनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे और ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया।

ईवी चार्जिंग एवं बैटरी स्वैपिंग लगवाने की मांग

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर ओमीक्रोन एक ए के आरडब्ल्यूए ने इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग पॉइंट्स व बैटरी स्वैपिंग लगवाने की मांग प्राधिकरण के अधिकारियों से की है। उन्होंने कहा है कि सेक्टर में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग केंद्र होने चाहिए, जिससे लोगों को राहत मिल सके। अध्यक्ष योगेंद्र मावी ने बताया कि चार्जिंग स्टेशनों पर बुनियादी सुविधाएं, जैसे बैठने की व्यवस्था, पेयजल तथा हल्के भोजन की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण व एनपीसीएल मिलकर लोगों को राहत दिलाने का काम करें।

श्रमिक दिवस पर जिले में हाई अलर्ट

धारा 163 लागू, ड्रोन और CCTV से कड़ी निगरानी

नोएडा। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के मद्देनजर जनपद गौतमबुद्धनगर में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। जिले में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सघन निगरानी की जा रही है। वहीं 30 अप्रैल से 8 मई 2026 तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 लागू कर दी गई है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में जोनल-सेक्टर स्कीम लागू की गई है। इसके तहत पूरे कमिश्नरेट को 11 जोन और 49 सेक्टर में विभाजित किया गया है। नोएडा जोन में 4 जोन और 16 सेक्टर, सेंट्रल नोएडा में 3 जोन और 24 सेक्टर तथा ग्रेटर नोएडा में 4 जोन और 9 सेक्टर बनाए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए अन्य जनपदों से भी भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। इसमें 6 एसपी रैंक अधिकारी, 14 अपर पुलिस अधीक्षक, 30 क्षेत्राधिकारी, 65 निरीक्षक, 400 उपनिरीक्षक, 150 महिला उपनिरीक्षक, 900 आरक्षी, 200 महिला आरक्षी और 10 कंपनी पीएसी शामिल हैं। इसके अलावा गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट से डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों

समेत अन्य पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है। पुलिस बल को औद्योगिक इकाइयों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, लघु औद्योगिक क्षेत्रों, प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है। साथ ही मोबाइल पुलिस पार्टियां लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही हैं। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी के अनुसार, पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए लोगों को शासन के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जा रही है। जिले के 50 से अधिक महत्वपूर्ण स्थानों पर ड्रोन से निगरानी की जा रही है और प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था भी की गई है। कमिश्नरेट कंट्रोल रूम में एक राजपत्रित अधिकारी की नियुक्ति की गई है, जो सीसीटीवी और अन्य सर्विलांस माध्यमों से लगातार निगरानी रखेंगे तथा किसी भी स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। पुलिस प्रशासन का कहना है कि इन सभी व्यवस्थाओं का उद्देश्य आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम रखना और जनजीवन को शांतिपूर्ण एवं सुचारु बनाए रखना है।

नोएडा के वॉटर पार्क में नहाने के दौरान 21 वर्षीय युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-39 थाना क्षेत्र स्थित जीआईपी (GIP) मॉल के वॉटर पार्क में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां दोस्तों के साथ स्विमिंग के लिए आए 21 वर्षीय युवक की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान द्रोण शर्मा के रूप में हुई है। इस अचानक हुई घटना के बाद वॉटर पार्क परिसर में अफरा-तफरी मच गई और आनंद-फानन में उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, द्रोण अपने दोस्तों के साथ गर्मी से राहत पाने और मनोरंजन के लिए वॉटर पार्क पहुंचा था। स्लाइडिंग और स्विमिंग के दौरान अचानक उसे सांस लेने में दिक्कत महसूस हुई और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दुखद खबर के बाद से युवक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि मौत का कारण हार्ट अटैक था या कोई अन्य वजह।

नोएडा के मॉल ऑफ इंडिया के कैरेटलेन स्टोर से 20 लाख के जेवर चोरी, मां-बेटी गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने मॉल ऑफ इंडिया स्थित प्रतिष्ठित 'कैरेटलेन' ज्वेलरी स्टोर से लाखों रुपये के आभूषण चोरी करने वाली शातिर मां-बेटी की जोड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी किए गए करीब 20 लाख रुपये कीमत के जेवरात और वारदात में इस्तेमाल की गई कार बरामद कर ली है। एडीसीपी मनीषा सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि बीती 23 अप्रैल 2026 को कैरेटलेन स्टोर की मैनेजर ने जेवर चोरी होने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज की मदद से जांच शुरू की। मैनुअल इंटेलिजेंस के जरिए पुलिस ने आरोपियों की पहचान रिद्धि उर्फ रचना और उसकी मां

सरिता गौतम के रूप में की। पुलिस टीम ने दोनों को डीएलएफ मॉल के पास से घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो पीली धातु की चूड़ियां, एक सफेद व पीली धातु की चूड़ी, चार ब्रेसलेट और तीन अंगूठियां बरामद हुईं। पुलिस के अनुसार, इन महिलाओं का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और इनके खिलाफ दिल्ली सहित अन्य शहरों में भी मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस इनके अन्य नेटवर्क और वारदातों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पारिवारिक कलह से परेशान युवती टॉवर पर चढ़ी, पुलिस ने बचाया

नोएडा। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में गुरुवार को एक 19 वर्षीय युवती के टॉवर पर चढ़ने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर यूनिट ने मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई करते हुए युवती को सुरक्षित नीचे उतार लिया। बताया जा रहा है कि युवती परिवारिक कलह के चलते आत्महत्या करने की नीयत से टॉवर पर चढ़ गई थी।

पुलिस के अनुसार युवती मूल रूप से महाराजगंज के चौक बाजार की निवासी है और पिछले लगभग तीन वर्षों से नोएडा में रह रही है। वह जे-ब्लॉक सेक्टर-63 स्थित एक टॉवर पर चढ़ गई थी। घटना की

जानकारी मिलने पर फायर यूनिट ने हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से काफी मशक्कत के बाद युवती को सकुशल नीचे उतारा।

घटना के बाद पुलिस टीम ने संवेदनशीलता दिखाते हुए युवती से बातचीत की। प्राथमिक पूछताछ में वह पारिवारिक समस्याओं के चलते मानसिक तनाव में प्रतीत हुई। पुलिस ने युवती के परिजनों को सूचना दे दी है। साथ ही उसकी काउंसलिंग कराई जा रही है और जरूरत के अनुसार विधिक व अन्य सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

जेपी विशटाउन में दोगुना मेंटेनेंस शुल्क लेने पर रोक

नोएडा। प्राधिकरण ने जेपी विशटाउन सोसाइटी में दोगुना मेटेनेंस शुल्क लगाने रोक लगा दी। बिल्डर प्रबंधन को नोटिस जारी कर गुरुवार को बैठक में बुलाया गया, लेकिन वे नहीं पहुंचे। प्राधिकरण का कहना है कि मध्यस्थता के बाद ही मेटेनेंस की दरें तय होंगी। शीघ्र ही दोनों पक्षों की बैठक के लिए नई तिथि घोषित होगी। सोसाइटी प्रतिनिधि शिशिर सोनी और प्रोफेसर डॉ. आरएस राय ने बताया कि जेपी (सुरक्षा) इंफ्रा लिमिटेड ने फ्लैट मालिकों को एक मई से मेटेनेंस चार्ज दो रुपये प्रति स्क्वायर फीट से बढ़ाकर 3 रुपये 89 पैसा लेने का आदेश जारी किया था। उन्होंने इस मामले में प्राधिकरण के सीईओ से मुलाकात की। इसके बाद प्राधिकरण ने मेटेनेंस शुल्क की बढ़ोत्तरी पर रोक लगा दी और बिल्डर कंपनी को नोटिस जारी। नोटिस में स्पष्ट रूप से कहा गया कि रेजिडेंट्स के साथ नोएडा प्राधिकरण की मध्यस्थता में बैठक के बाद ही मेंटेनेंस चार्ज तय किया जाए। इसके लिए प्राधिकरण की ओर से जीएम प्लानिंग को अधिकृत किया गया है. नोटिस में भी साफ किया गया कि जब तक रेजिडेंट्स और बिल्डर के बीच आपसी सहमति से समाधान नहीं निकलता, तब तक एक मई से लागू होने वाले बढ़े मेंटेनेंस शुल्क पर रोक रहेगी। इसके लिए 30 अप्रैल को बैठक बुलाई गई थी, लेकिन बैठक में बिल्डर का कोई प्रतिनिधि नहीं पहुंचा।

श्रमिकों के लिए आज लगेंगे 201 आरोग्य शिविर

नोएडा। श्रमिक दिवस पर आज जिले के लाखों श्रमिक 201 आरोग्य शिविरों में निशुल्क जांच का लाभ ले सकेंगे। जिला प्रशासन ने श्रमिकों की जांच के लिए 134 सरकारी अस्पताल एवं हेल्थ वेलनेस सेंटर और 67 प्राइवेट अस्पतालों को शिविरों लगाने के लिए तैयार किया है। इस दौरान 25 मोबाइल जांच वैन (मुख्यमंत्री आरोग्य रथ), औद्योगिक इकाइयों में डिस्पेंसरी, 25 हेल्थ एटीएम, चार एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस, 15 हेल्थ वेलनेस सेंटर समेत तमाम कल्याणकारी योजनाओं का शिलान्यास भी होगा। स्वास्थ्य विभाग की ओर से शिविरों में 600 से अधिक चिकित्सक, फार्मासिस्ट और स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिला प्रशासन के मुताबिक श्रमिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक स्वास्थ्य जांच शिविर लगेंगे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर श्रमिकों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ देने में कुल 67 निजी अस्पताल भी योजना का हिस्सा बने हैं। मेगा हेल्थ कैंप में 134 सरकारी अस्पताल एवं हेल्थ वेलनेस सेंटर में श्रमिक हेल्प डेस्क शुरू होगी।

सीआईएससीई : आर्यव चुघ 10वीं और ऐश्वर्या अरोड़ा 12वीं में अव्वल

ग्रेटर नोएडा। भारतीय स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा परिषद (सीआईएससीई) ने गुरुवार को आईसीएसई 10वीं और आईएससी 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। नोएडा के सेक्टर-135 स्थित श्रीराम मिलेनियम स्कूल के छात्र आर्यव चुघ ने 10वीं में 98.4 प्रतिशत और इसी स्कूल की ह्यूमिनिटी वर्ग की छात्रा ऐश्वर्या अरोड़ा ने 12वीं में सर्वाधिक 98.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर गौतमबुद्ध नगर जिला टॉप किया। जिले में सीआईएससीई के तीन स्कूल हैं। इनमें श्रीराम मिलेनियम, ग्रेनो स्थित जीसेस मेरी एंड कान्वेंट स्कूल और सेंट जोसेफ स्कूल शामिल हैं। तीनों विद्यायलों से दसवीं के 458 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें 457 छात्रों ने बेहतर अंकों से परीक्षा पास की, जबकि एक छात्र असफल हो गया। वहीं, 12वीं में 336 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए और सभी पास हो गए। जिले में 12वीं का ऑवर ऑल परिणाम शत प्रतिशत रहा। वहीं, स्कूलों में बेहतर परिणाम देखकर छात्र-छात्राएं, शिक्षक और अभिभावक खुशी से झूम उठे। मेधावियों के घर पर बधाई देने वाले लोगों का तांता लगा रहा।श्रीराम मिलेनियम स्कूल की प्रधानाचार्य उत्तरा सिंह ने बताया कि उनके यहां इस बार 12वीं में 81 व 10वीं में 103 विद्यार्थी पंजीकृत थे। दोनों कक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा। यहां तक कि दोनों ही कक्षाओं में पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर उन्हीं के स्कूल के छात्र रहे। यह स्कूल के नाम एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 10वीं में आर्यव के बाद दूसरे स्थान पर 97.8 प्रतिशत के साथ सानवी अग्रवाल व तीसरे स्थान पर 97.60 प्रतिशत के साथ रूपांशी रही। वहीं, 12वीं में ऐश्वर्या के बाद दूसरे स्थान पर 98.3 प्रतिशत अंकों के साथ नमन सोनपार व क्रिस्व राज गुप्ता तथा तीसरे स्थान पर 98 प्रतिशत अंकों के साथ नीव दत्ता और हर्ष खेडिया रहे। वहीं, ग्रेनो के सेंट जोसफ स्कूल में 10वीं के 193 छात्रों में से 192 ने परीक्षा पास की और 12वीं के सभी 145 छात्र सफल रहे।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा का शुभारंभ

1300 श्रद्धालुओं को लेकर दिल्ली से ट्रेन हुई रवाना

नई दिल्ली। दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से गुरुवार को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा का शुभारंभ हुआ। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। इस मौके पर दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा भी मौजूद रहे। ट्रेन रवाना होने से पहले सभी ने श्रद्धालुओं से भेंट कर उन्हें यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय स्वाभिमान को कालजयी सोमनाथ मंदिर की गौरवगाथा के माध्यम से प्रस्तुत करना है। हमारी आस्था में सद्भावपूर्ण एकता का प्रवाह है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि देवाधिदेव महादेव की कृपा से आज मुझे दिल्ली के अपने भाई-बहनों को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-सोमनाथ यात्रा' पर भेजने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और प्रेरणा से सहस्त्र वर्ष की अखंड आस्था, पुनर्जागरण और राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक सोमनाथ का यह विशेष पर्व मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की सांस्कृतिक चेतना को जन-जन से जोड़ने का जो महाअभियान चलाया है, यह यात्रा उसी दृष्टि का सशक्त विस्तार है, जो हमें हमारी सनातन जड़ों से जोड़ते हुए भविष्य की ओर आगे बढ़ाती है। आज यहां से 1300 श्रद्धालुओं को लेकर जा रही यह विशेष ट्रेन शुक्रवार सुबह सोमनाथ पहुंचेगी। एक, दो व तीन मई को सभी श्रद्धालु भगवान शिव के पावन ज्योतिर्लिंग के दर्शन करेंगे और आसपास स्थित प्रमुख मंदिरों में भी दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था के लिए गुजरात सरकार का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने इस भव्य यात्रा के सफल आयोजन के लिए केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, रेल मंत्रालय, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा का आभार व्यक्त किया।

हत्या के मामले में वांछित आरोपी उत्तर पश्चिम दिल्ली में मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के अशोक विहार इलाके में बृहस्पतिवार तड़के हुई मुठभेड़ के बाद हत्या के एक मामले में वांछित आरोपी को पकड़ लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि आरोपी सूरज उर्फ काना के पैर में गोली लगी है और उसे अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में हुई हत्या के बाद से सूरज फरार था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, जांच अधिकारियों को बुधवार देर रात पुल प्रह्लादपुर के पास आरोपी के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद उसे पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया। अधिकारी ने कहा, ''बृहस्पतिवार तड़के करीब तीन बजे आरोपी स्कूटर पर मौके पर पहुंचा। जब पुलिस टीम ने उसे रुकने और आत्मसमर्पण करने को कहा, तो उसने पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी कर दी।'' उन्होंने बताया कि एक गोली एक पुलिस अधिकारी की बुलेट प्रूफ जैकेट में लगी। अधिकारी ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। उसे काबू कर हिरासत में ले लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हालत में सुधार होने के बाद आरोपी से पूछताछ की जाएगी। पुलिस ने बताया कि अन्य आपराधिक मामलों में उसकी संभावित संलिप्तता का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

द्वारका के गोल्फ कोर्स तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका में सुबह सेक्टर-24 स्थित गोल्फ कोर्स परिसर के तालाब में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। आशंका है कि बच्चे तालाब में गहराई तक चले गए और डूब गए। तीनों के शव तालाब निकाल लिए गए हैं। पुलिस आसपास के लोगों की मदद से इनकी पहचान करने की कोशिश कर रही है। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 7:07 बजे थाना सेक्टर-23 द्वारका में पीसीआर कॉल मिली कि सेक्टर-24 गोल्फ कोर्स के तालाब में तीन बच्चे डूब गए हैं। इस सूचना पर थाना प्रभारी टीम के साथ वहां पहुंचे। दमकल विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों को बुलाया गया। कुछ देर की मशक्कत के बाद तीनों बच्चों को तालाब से बाहर निकाला गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तीनों बच्चों की उम्र लगभग 8 से 10 वर्ष के बीच है। बच्चों के कपड़े तालाब के किनारे मिले हैं। अंदेशा है कि वह नहाने के इरादे से तालाब में उतरे। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में यह हादसा लग रहा है। किसी भी थाने में बच्चों के लापता होने की सूचना दर्ज नहीं है। आसपास के सीसीटीवी के फुटेज देखे जा रहे हैं। इस घटना के बाद इलाके में मातम है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि खुले जलाशयों और तालाबों के आसपास सुरक्षा इंतजाम मजबूत किए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी किसी घटना से बचा जा सके। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह के अनुसार, मामले की जांच जारी है और बच्चों की पहचान होने के बाद उनके स्वजन को सूचना दी जाएगी।

45 लाख की डकैती का खुलासा, 5 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के मैदान गढ़ी थाना पुलिस ने 45 लाख रुपये की सनसनीखेज डकैती का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में एक आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।दक्षिण जिला डीसीपी अनंत मित्तल ने बताया कि 13 अप्रैल को हरगोविंद एन्क्लेव में एक वारदात हुई थी, जहां बदमाशों ने एक महिला को बंधक बनाकर घर में लूटपाट की थी। घटना के बाद पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और स्थानीय इनपुट के आधार पर जांच शुरू की।जांच के दौरान पुलिस टीम ने राजस्थान में अंतरराज्यीय ऑपरेशन चलाते हुए महज 12 घंटे के भीतर तीन आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ के बाद पूरे गैंग का खुलासा हुआ और अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए जेवरात का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बरामद कर लिया है, जिसकी कीमत करीब 45 लाख रुपये बताई जा रही है। फिलहाल फरार आरोपी की तलाश के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। डीसीपी ने कहा कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले को सुलझाया और अधिकांश लूटा गया सामान बरामद कर लिया है।

दिल्ली : खाना पहुंचाने का काम करने वाले कर्मी की सड़क हादसे में मौत

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में बृहस्पतिवार को एक कार की टक्कर से स्कूटर सवार एक व्यक्ति डाबरी फ्लाईओवर से नीचे गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। वह खाने की आपूर्ति का काम करता था। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि सुबह 7:35 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को सूचना दी गई कि पंखा रोड पर डाबरी फ्लाईओवर से एक व्यक्ति गिर गया है और उसे तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और फ्लाईओवर पर एक क्षतिग्रस्त स्कूटर और एक कार देखी। स्कूटर सवार गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसे तुरंत एम्बुलेंस से पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उनके अनुसार, पीड़ित की पहचान झारखंड के गोड्डा जिले के निवासी राजकुमार के रूप में हुई है। वह दिल्ली में एक निजी कंपनी के लिए खाने की आपूर्ति करने का काम करता था। पुलिस ने बताया कि जिस कार ने राजकुमार को टक्कर मारी, वह दिल्ली की है और यह डाबरी निवासी के नाम पर पंजीकृत है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, शव को शवगृह में रखा गया है और फरार चालक को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।श पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

AIIMS में ऑटिज्म पर बड़ा जनस्वास्थ्य व्याख्यान

शुरुआती पहचान और समावेशी सोच पर जोर

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। ऑटिज्म अवेयरनेस मंथ के तहत एम्स नई दिल्ली में गुरुवार को एक अहम जनस्वास्थ्य व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) की जटिलताओं, शुरुआती पहचान और इलाज पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रो. शेफाली गुलाटी, बाल रोग विभाग ने बताया कि ऑटिज्म की पहचान 12–18 महीने की उम्र में संभव है, इसलिए समय पर स्क्रीनिंग और हस्तक्षेप बेहद जरूरी है। CDC के 2025 आंकड़ों के मुताबिक, हर 31 में से 1 व्यक्ति ऑटिज्म से प्रभावित है।एम्स के आंकड़ों के अनुसार, यहां जांचे गए 2000 से अधिक बच्चों में करीब 80 प्रतिशत में मिर्गी, ध्यान की कमी, व्यवहार संबंधी समस्याएं और नींद से जुड़ी दिक्कतें जैसी सह-बीमारियां पाई गईं। कार्यक्रम में यह भी रेखांकित किया गया कि केवल मेडिकल मॉडल नहीं, बल्कि गरिमा, स्वीकृति और समावेशन पर आधारित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है, जिससे ऑटिज्म से जुड़े लोगों को समाज में बराबरी का स्थान मिल सके।विशेषज्ञों ने वैकल्पिक उपचारों के बढ़ते चलन पर सावधानी बरतने की सलाह देते हुए वैज्ञानिक प्रमाण आधारित इलाज पर जोर दिया और टीकों व दवाओं को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने की बात कही।यह कार्यक्रम आम जनता और स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए खुला था, जिसमें नीति-निर्माताओं, डॉक्टरों, मनोवैज्ञानिकों और शिक्षकों ने भाग लेकर व्यापक संवाद किया।

दिल्ली पुलिस का 'नशा – नॉट कूल' अभियान संपन्न, NSS वॉलंटियर्स को किया सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस द्वारा चलाया गया सप्ताहभर का एंटी-ड्रग अवेयरनेस अभियान 'नशा – नॉट कूल' सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस अभियान के दौरान राजधानी भर में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए गए, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अभियान के समापन अवसर पर पूर्वी, नई दिल्ली, पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी जिलों में सम्मान समारोह आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में स्कूलों, एनएसएस अधिकारियों, वॉलंटियर्स, शिक्षकों और पुलिस कर्मियों के योगदान को सराहा गया।दिल्ली पुलिस ने विशेष रूप से नेशनल सर्विस स्कीम (NSS) के वॉलंटियर्स को सम्मानित किया, जिन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से नशा विरोधी संदेश फैलाने में अहम भूमिका निभाई। सम्मानित वॉलंटियर्स में बाबू राव रत्नेश, गोपी कुमार, हारून, यशिका शर्मा, शिफा रिजवी, गुन ठाकुर, सुधांशु कुमार, अनिकेत राज, सबाह निजामी, शहान खान, आमिर खान, शाकिब खान, अदिति सिंह, साहिल, मनशील शेहरावत, आदित्य कुमार पांडेय, पलक कपूर, भारत और यिशु भास्कर शामिल रहे।अभियान के दौरान डॉक्टरों, केमिस्ट दुकानदारों, शैक्षणिक संस्थानों और युवा स्वयंसेवकों को भी जोड़ा गया। चिकित्सा विशेषज्ञों ने सोशल मीडिया के जरिए जागरूकता संदेश प्रसारित किए।

दिल्ली : नाबालिग लड़के से दुष्कर्म के मामले में भगोड़ा आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने करीब डेढ़ साल पहले पालम गांव इलाके में एक नाबालिग लड़के के साथ बंदूक के बल पर सामूहिक दुष्कर्म करने और उसे गंभीर रूप से घायल करने के मामले में फरार मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि आरोपी की पहचान 30 वर्षीय गुलजार उर्फ सोनू के तौर पर हुई है और उसे बुधवार को पालम गांव से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2024 में चार लोगों ने नाबालिग लड़के के साथ बंदूक के बल पर दुष्कर्म किया था और उसे ब्लेड से हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। पुलिस के मुताबिक, इस बाबत पालम गांव थाने में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। अधिकारी के मुताबिक, इस मामले में आरोपियों अजय, नीरज और कमल को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था जबकि अदालत ने दिसंबर 2025 में गुलजार को भगोड़ा घोषित कर दिया था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) पंकज कुमार ने बताया कि इस मामले में गुलजार मुख्य आरोपी था और उसने ही पिस्तौल के बल पर पीड़ित को डराया-धमकाया था और अपराध में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने बताया कि अपराध शाखा की टीम को सूचना मिली कि इस मामले में फरार आरोपी पालम गांव आने वाला है और टीम ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। उनके मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में खुलासा किया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर पीड़ित को बंदूक दिखाकर धमकाया और अपराध को अंजाम दिया तथा फरार रहने के दौरान वह पुलिस की गिरफ्त में आने से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदलता रहा।

मर्डर केस में 2 महीने से फरार बदमाश हिमाचल से गिरफ्तार, 18 मामलों में था वांछित

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने एक सनसनीखेज मर्डर केस में बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो महीने से फरार चल रहे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान अभिषेक उर्फ भोला के रूप में हुई है, जिसे हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के मनाली बस स्टैंड के पास से दबोचा गया।साउथ जिले के डीसीपी अनंत मित्तल ने बताया कि 9 मार्च को मदनगीर स्थित भूमिया चौक पर हुई फायरिंग में निखिल नागर की मौत हो गई थी। इस वारदात के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था। जांच में सामने आया कि हत्या पुरानी रंजिश के चलते की गई थी और इसकी साजिश पहले से रची गई थी।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी पर हत्या, हत्या के प्रयास और लूट समेत कुल 18 आपराधिक मामले दर्ज हैं। दिल्ली पुलिस ने आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाकर आगे की पूछताछ शुरू कर दी है। डीसीपी ने कहा मामले में अन्य आरोपियों और साजिश से जुड़े पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है।

यमुना में क्रूज सेवा अगले महीने शुरू होने की संभावना

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार अपने नदी पुनरुद्धार और पर्यटन विकास कार्यक्रम के तहत अगले महीने यमुना नदी में क्रूज सेवा की शुरुआत कर सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मुंबई में निर्मित और जनवरी में दिल्ली लाए गए 40 सीट वाले इस क्रूज जहाज में व्यापक तरीके से आंतरिक सज्जा का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि क्रूज जहाज अब पूरी तरह से सुसज्जित और उपकरणों से लैस है और परिचालन के लिए तैयार है। सूत्र ने बताया कि इस सेवा का उद्घाटन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा किए जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि क्रूज में यात्रियों के लिए संगीत, मनोरंजन और भोजन जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। सूत्र ने बताया कि सरकार 15 दिनों के भीतर इस सेवा की शुरुआत करने की तारीख घोषित करेगी। उन्होंने कहा कि यह क्रूज यमुना नदी पर चलेगा और शहर के भीतर एक अनूठा मनोरंजक अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई एक घंटे की 'राउंड ट्रिप' की व्यवस्था रहेगी। यह परियोजना यमुना नदी को मनोरंजन और छुट्टियां मनाने के केंद्र में तब्दील करने के उद्देश्य से बनाई गई एक व्यापक नदी तट विकास योजना का हिस्सा है। सूत्र ने बताया कि सरकार क्रूज टर्मिनल पर जल क्रीड़ा और अन्य मनोरंजक गतिविधियों को शुरू करने की भी योजना बना रही है, जिससे नदी के किनारे को छुट्टियां मनाने के व्यापक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सके।

रोहिणी में अवैध हथियारों का बड़ा नेटवर्क ध्वस्त, 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की रोहिणी जिला टीम ने इंटर-स्टेट अवैध हथियार सप्लाई गैंग का भंडाफोड़ करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गैंग के मुख्य फाइनेंसर राहुल उर्फ डोगरा और सप्लायर सुरेंद्र उर्फ काला समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी कुख्यात गोगी गैंग/दिनेश कराला गैंग से जुड़े बताए जा रहे हैं।रोहिणी जिले के डीसीपी शशांक जायसवाल ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से कुल 17 हथियार और 106 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इनमें ऑस्ट्रिया का ग्लॉक 9mm पिस्टल, इटली का बेरेटा और तुर्की का जोराकी पिस्टल जैसे हाई-एंड विदेशी हथियार भी शामिल हैं। इसके अलावा दो एसयूवी (महिंद्रा थार और स्कॉर्पियो-एन) भी जब्त की गई हैं।जांच के दौरान खुलासा हुआ कि गैंग दिल्ली-एनसीआर में वर्चस्व बनाए रखने और गैंगवार के लिए हथियार जुटा रहा था। आरोपी सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन कर युवाओं को गैंग में शामिल करने की कोशिश भी करते थे।पुलिस ने उत्तर प्रदेश के हापुड़ से हथियार सप्लायर इकबाल को भी गिरफ्तार किया, जिसके घर से 5 अवैध हथियार और 21 कारतूस बरामद हुए। डीसीपी ने बताया मुख्य सप्लायर सुरेंद्र काला पिछले 4-5 वर्षों में सैकड़ों हथियार सप्लाई कर चुका है और गैंग की रीढ़ माना जाता है। फिलहाल पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए आगे की जांच और छापेमारी जारी है।

दिल्ली पुलिस मुख्यालय में पिपिंग सेरेमनी, 182 कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर मानद पदोन्नति

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस मुख्यालय स्थित आदर्श ऑडिटोरियम में गुरुवार को भव्य पिपिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त हो रहे 182 पुलिस कर्मियों को मानद पदोन्नति प्रदान की गई। यह समारोह दिसंबर में शुरू की गई योजना के तहत पांचवां आयोजन था।कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने की। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर कॉन्स्टेबल से लेकर सब-इंस्पेक्टर स्तर तक के कर्मियों को अगले उच्च मानद पद से सम्मानित किया।पुलिस आयुक्त ने अपने संबोधन में सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल कर्मियों को सम्मानजनक विदाई देने के उद्देश्य से की जा रही है। साथ ही उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद संतुलित और तनावमुक्त जीवन जीने, परिवार के साथ समय बिताने और समाज में योगदान जारी रखने की सलाह दी।उन्होंने हाल ही में आयोजित "लाइफ आफ्टर रिटायरमेंट" कार्यशाला का भी उल्लेख किया, जिसमें स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, वित्तीय योजना और निवेश जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया।मानद पदोन्नति पाने वालों में हेड कॉन्स्टेबल से एएसआई तक 11, एएसआई से सब-इंस्पेक्टर तक 39 और सब-इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर तक 132 कर्मी शामिल रहे।इस मौके पर दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, सेवानिवृत्त कर्मी और उनके परिजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिससे समारोह यादगार बन गया।

संपादकीय

भारत न्यूजीलैंड के बीच बढ़ेगा व्यापार

चार दिन पहले भारत और न्यूजीलैंड के हुआ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) प्रथम दृष्टया देखने से शायद बेहद प्रभावशाली न लगे, लेकिन पिछले पांच-छह सालों में किसी देश के साथ व्यापारिक साझेदारी को लेकर यह समझौता भी काफी महत्वपूर्ण है। कुछ लोग इसे आलोचना की दृष्टि से देख रहे है। यह धारणा इसलिए बनी है क्योंकि न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्था का आकार भारत की अर्थव्यवस्था से काफी छोटा है। दोनों देशों के बीच व्यापार कुल व्यापार में एक फीसदी से भी कम का योगदान देती है। फिर भी यह स्वागत योग्य कदम है। पिछले कुछ सालों में कई देशों के साथ हुए व्यापारिक समझौते से अलग है। यह मुक्त व्यापार समझौता पिछले साढ़े तीन सालों में सात अन्य व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर होने के ठीक बाद आया है। यह उन व्यापक नीतिगत लक्ष्यों के लिए फायदेमंद है जिन्हें भारत इस किस्म के सौदों के मार्फत हासिल करने की कोशिश कर रहा है। कोविड महामारी और अमेरिका के साथ टैरिफ संबंधी टकरावों ने भारत को यह दिखा दिया है कि उसे आयात और निर्यात, दोनों ही मोर्चों पर अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की जरूरत है। चीन से आयात घटाना एक मुश्किल काम है। फिर भी, भारत के कुल आयात में चीन की जो 16 फीसदी की हिस्सेदारी है, उसमें किसी भी तरह की कमी लाना स्वागत ही होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि निर्यात के लिए नए बाजार तलाशने की रणनीतिक जरूरत खासतौर पर तब बिल्कुल स्पष्ट और अत्यंत आवश्यक है, जब भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजार की कमान डोनाल्ड ट्रम्प जैसे मूडी स्वभाव वाले व्यक्ति के हाथों में हो। मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के सदस्य देशों, यूनाइटेड किंगडम, यूरोपीय संघ, ओमान और अब न्यूजीलैंड के साथ हुए व्यापार समझौते भारतीय निर्यातकों को ऐसे मौके प्रदान करते हैं, जिनका उन्हें फायदा उठाना चाहिए। अंत में, इस मुक्त व्यापार समझौते को इसके आकार के आधार पर खारिज करना भारत के वार्ताकारों के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने महत्वपूर्ण जीत हासिल करने के लिए भारत की तुलनात्मक खासियतों का बेहतरीन इस्तेमाल किया है। भारत के संदर्भ में इस एफटीए की पहली अहम व खूबी यह है कि न्यूजीलैंड इस समझौते पर अमल होते ही सभी वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क को फौरन हटा देगा। दूसरी खूबी यह है कि भारत अपने किसी भी संवेदनशील क्षेत्र के मामले में कोई भी रियायत देने से बच गया। बाहर रखे गए इन क्षेत्रों में सबसे महत्वपूर्ण डेयरी उत्पाद हैं, जिन्हें शामिल करने के लिए न्यूजीलैंड खासतौर पर उत्सुक था। तीसरा सकारात्मक पहलू यह है कि न्यूजीलैंड ने 15 सालों में भारत में 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश को सुविधाजनक बनाने की प्रतिबद्धता जताई है।

आरक्षण की आवश्यकता समझने की जरूरत

सबसे पहले यह समझना होगा कि आरक्षण की मूल भावना क्या थी। भारतीय समाज सदियों तक गहरी सामाजिक असमानताओं से जूझता रहा है। कुछ वर्गों को शिक्षा, संसाधनों और सम्मानजनक जीवन से व्यवस्थित रूप से वंचित रखा गया। यह केवल आर्थिक अभाव का प्रश्न नहीं था, बल्कि सामाजिक बहिष्कार और अवसरों की असमानता का भी था। इसी पृष्ठभूमि में संविधान निर्माताओं ने आरक्षण को एक अस्थायी उपाय के रूप में लागू किया, ताकि समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाया जा सके और उन्हें बराबरी का अवसर मिल सके। हालांकि, आज का भारत 70–75 साल पहले के भारत से काफी अलग है। शिक्षा का विस्तार हुआ है, शहरीकरण बढ़ा है और नई पीढ़ी के सामने अवसरों के नए द्वार खुले हैं। यही कारण है कि कुछ लोग यह सवाल उठाते हैं कि क्या आज भी वही नीतियाँ लागू रहनी चाहिए जो दशकों पहले बनाई गई थीं। उनका तर्क है कि अब हर जाति के लोग विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं, इसलिए आरक्षण का आधार केवल जाति नहीं होना चाहिए।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में आरक्षण पर बहस कोई नई नहीं है, लेकिन समय-समय पर यह मुद्दा नई परिस्थितियों और घटनाओं के कारण फिर से केंद्र में आ जाता है। हाल के दिनों में उच्च शिक्षा और संस्थागत नीतियों को लेकर University Grants Commission (UGC) से जुड़े विवादों ने इस चर्चा को और तेज कर दिया है। एक ओर ऐसे लोग हैं जो मानते हैं कि अब जातिगत आरक्षण की प्रासंगिकता कम हो चुकी है, वहीं दूसरी ओर एक बड़ा वर्ग इसे सामाजिक न्याय और समान अवसर के लिए अब भी आवश्यक मानता है। इस जटिल बहस को समझने के लिए जरूरी है कि हम भावनात्मक प्रतिक्रियाओं से हटकर इसके ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक आयामों पर गंभीरता से विचार करें।

सबसे पहले यह समझना होगा कि आरक्षण की मूल भावना क्या थी। भारतीय समाज सदियों तक गहरी सामाजिक असमानताओं से जूझता रहा है। कुछ वर्गों को शिक्षा, संसाधनों और सम्मानजनक जीवन से व्यवस्थित रूप से वंचित रखा गया। यह केवल आर्थिक अभाव का प्रश्न नहीं था, बल्कि सामाजिक बहिष्कार और अवसरों की असमानता का भी था। इसी पृष्ठभूमि में संविधान निर्माताओं ने आरक्षण को एक अस्थायी उपाय के रूप में लागू किया, ताकि समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाया जा सके और उन्हें बराबरी का अवसर मिल सके। हालांकि, आज का भारत 70–75 साल पहले के भारत से काफी अलग है। शिक्षा का विस्तार हुआ है, शहरीकरण बढ़ा है और नई पीढ़ी के सामने अवसरों के नए द्वार खुले हैं। यही कारण है कि कुछ लोग यह सवाल उठाते हैं कि क्या आज भी वही नीतियाँ लागू रहनी चाहिए जो दशकों पहले बनाई गई थीं। उनका तर्क है कि अब हर जाति के लोग विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं, इसलिए आरक्षण का आधार केवल जाति नहीं होना चाहिए। वे यह भी कहते हैं कि सवर्ण समाज में भी बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर लोग हैं, जिनके लिए अवसरों की कमी उतनी ही वास्तविक है। यह तर्क पूरी तरह निराधार नहीं है। वास्तव में, आर्थिक असमानता आज भारतीय समाज की एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। कई ऐसे परिवार हैं जो किसी भी आरक्षित श्रेणी में नहीं आते, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण अपने बच्चों को उच्च शिक्षा या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं दे पाते। ऐसे में यह मांग उठती है कि आरक्षण या सहायता का आधार आर्थिक स्थिति को बनाया जाए, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंच सके।

इसी सोच के तहत सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था की है। यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है, क्योंकि यह स्वीकार करता है कि गरीबी केवल किसी एक सामाजिक वर्ग तक सीमित नहीं है। लेकिन इसके साथ ही यह सवाल भी बना रहता है कि क्या केवल आर्थिक आधार पर आरक्षण देना पर्याप्त होगा?

दूसरी ओर, आरक्षण के समर्थन में एक मजबूत तर्क यह है कि सामाजिक भेदभाव और असमानता अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। कई अध्ययन और सामाजिक अनुभव यह दिखाते हैं कि समाज के कुछ वर्ग आज भी शिक्षा, रोजगार और सामाजिक स्वीकृति के स्तर पर पीछे हैं। भले ही कुछ लोग आर्थिक रूप से आगे बढ़ गए हों, लेकिन सामाजिक पहचान के आधार पर मिलने वाले भेदभाव का अनुभव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। यही कारण है कि अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) के लिए आरक्षण को केवल आर्थिक सहायता के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिनिधित्व के रूप में भी देखा जाता है। यहाँ एक और महत्वपूर्ण मुद्दा सामने आता है—"क्रीमी लेयर" का। अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) में यह व्यवस्था लागू है, जिसके तहत आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों को आरक्षण का लाभ नहीं दिया जाता। कई लोग यह मांग करते हैं कि इसी सिद्धांत को SC/ST वर्गों पर भी लागू किया जाए, ताकि आरक्षण का लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। हालांकि, इस पर मतभेद हैं, क्योंकि कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि इन वर्गों में सामाजिक भेदभाव का प्रभाव इतना गहरा है कि आर्थिक स्थिति बेहतर होने के बावजूद भी इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेडिकल और तकनीकी क्षेत्रों में आरक्षण को लेकर अक्सर चिंता व्यक्त की जाती है कि इससे गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है। यह एक संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि इन क्षेत्रों का सीधा संबंध मानव जीवन और सुरक्षा से है। लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी पेशे में अंतिम योग्यता और दक्षता प्रशिक्षण, मेहनत और अनुभव से तय होती है। मेडिकल कॉलेजों और अन्य संस्थानों में सभी छात्रों को समान पाठ्यक्रम, परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इसलिए केवल आरक्षण के आधार पर गुणवत्ता पर सवाल उठाना एकतरफा दृष्टिकोण हो सकता है। इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है। यदि प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर सभी छात्रों को समान गुणवत्ता की शिक्षा मिले, तो उच्च शिक्षा में असमानता अपने आप कम हो सकती है। आज भी सरकारी और निजी स्कूलों के बीच गुणवत्ता का बड़ा अंतर है, जो आगे चलकर प्रतिस्पर्धा में असमानता पैदा करता है। इसलिए आरक्षण की बहस के साथ-साथ शिक्षा प्रणाली में सुधार पर भी उतना ही ध्यान देना जरूरी है। एक और पहलू है—प्रतिनिधित्व का। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में यह महत्वपूर्ण है कि सभी वर्गों को निर्णय लेने वाली संस्थाओं में उचित प्रतिनिधित्व मिले। आरक्षण इस दिशा में एक साधन के रूप में कार्य करता है। यदि समाज के कुछ वर्ग लगातार पीछे रह जाते हैं, तो यह केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए नुकसानदायक होता है, क्योंकि इससे असंतोष और असमानता बढ़ती है।

इस पूरी बहस का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि आरक्षण को "सही या गलत" के सरल द्वंद्व में नहीं बांधा जा सकता। यह एक जटिल नीति है, जो समय, समाज और परिस्थितियों के अनुसार बदलाव की मांग करती है। एक संतुलित दृष्टिकोण यह हो सकता है कि आरक्षण की वर्तमान व्यवस्था की समय-समय पर समीक्षा की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि इसका लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे। इसके साथ ही, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए छात्रवृत्ति, सस्ती शिक्षा, कोचिंग सुविधाएं और अन्य सहायता योजनाओं को मजबूत करना भी आवश्यक है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि कोई भी प्रतिभाशाली छात्र केवल संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रह जाए।

अंततः, आरक्षण की बहस केवल नीति का सवाल नहीं है, बल्कि यह उस समाज की दिशा तय करती है जिसे हम बनाना चाहते हैं। क्या हम ऐसा समाज चाहते हैं जहाँ हर व्यक्ति को समान अवसर मिले, या ऐसा समाज जहाँ ऐतिहासिक असमानताएँ नई पीढ़ी को भी प्रभावित करती रहें? इसका उत्तर आसान नहीं है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि समाधान किसी एक छोर पर नहीं, बल्कि संतुलन में है।

समय आ गया है कि हम इस मुद्दे पर पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर विचार करें। न तो आरक्षण को पूरी तरह समाप्त करना तत्काल समाधान है, और न ही बिना किसी बदलाव के इसे अनिश्चितकाल तक जारी रखना। जरूरत है एक ऐसी नीति की, जो सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और गुणवत्ता—तीनों के बीच संतुलन स्थापित कर सके। तभी हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकते हैं, जहाँ अवसर सच में समान हों और हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ सके।

फिल्म में सकारात्मक चीजें ग्रहण करना जरूरी

संजय गोस्वामी

हमने शतक फिल्म देखा जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर बना है देखिए फिल्म में क़ोई कुछ क़ोई कुछ दिखाता है एक मनोरंजन है इसमें जो आपको शिक्षा दे उस पर ध्यान दीजिये ऐसे भी 3 घंटे की फिल्म से ना तो आपका स्वाभाव विल्कुल बदल जाता अगर ऐसा होता तो दंगा फसाद हो जाता इसलिए फिल्म से अचानक आपका विचार बदल जाएगा बिल्कुल नहीं है हाँ कुछ समय के लिए आप के विचार में परिवर्तन आता है लेकिन यदि पुनः आप जिस संगत में बैठेंगे वैसा ही आप सोचने लगते है हालांकि इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 1925 से अब तक के 100 वर्षों के इतिहास और संघर्ष को दर्शाने वाली एक ऐतिहासिक हिंदी फिल्म है, जो 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह फिल्म संघ की स्थापना, बलिदान और सामाजिक योगदान को रेखांकित करती है।

शतक फिल्म, राष्ट्रभक्ति और भारतीय संकल्प को समर्पित: वंदन अभिनन्दन डॉ. तेज शतक फिल्म, राष्ट्रभक्ति और संकल्प को समर्पित है।शतकः राष्ट्र की अखंडता का महाघोष राष्ट्रवाद की तात्विक विवेचना एवं सर्व जन सुखाय. सर्व जन हिताय समीक्षाराष्ट्र की आत्मा तब जागृत होती है जब उसके नागरिक अपनी विरासत और भविष्य के प्रति सजग होते हैं। धार की पावन धरा मे मेरे दशको निवास उपरान्त माँ देवी अहिल्या की इंदौर की पवित्र धरा पर निवासरत हू . इस फिल्म को दिल की गहराइयों से अवलोकित करने की की मेरी यह यात्रा केवल एक फिल्म देखने की यात्रा नहीं , बल्कि एक बोध की प्राप्ति थी। आरएसएस का हृदय से आभार, जिन्होंने मुझे इंदौर के उस प्रथम प्रीमियम शो का हिस्सा बनाया, जहाँ शतक के रूप में राष्ट्रवाद का सूरज उगते देखा गया।एक पिता, एक शिक्षक और एक जागरूक नागरिक के रूप में, मैंने अनुभव किया कि इस फिल्म को केवल एक बार देखना पर्याप्त नहीं है। इसे सपरिवार, अपने पाँच वर्षीय अबोध बालक के साथ कम से कम दो बार देखना अनिवार्य है। क्यों? क्योंकि आज के पाँच वर्ष के बालक ही कल के भारत के नीति-निर्धारक होंगे। यदि हम उन्हें आज राष्ट्र की एकता, अखंडता और अकाट्यता का पाठ नहीं पढ़ाएंगे, तो भविष्य सुरक्षित नहीं होगा।शताब्दी का महाशंखनादः शतक – संघ के १०० गौरवशाली वर्षयह केवल एक चलचित्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण की वह महागाथा है, जिसने एक पूरी शताब्दी को अपने निस्वार्थ सेवा-भाव से सींचा है। शतकः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के १०० वर्ष वह ऐतिहासिक फीचर फिल्म है, जो १९ फरवरी २०२६ को संपूर्ण भारत के सिनेमाघरों में एक नए युग का सूत्रपात कर of चुकी है। १९२५ के उस संकल्प से लेकर २०२५ की सिद्धियों तक, यह फिल्म राष्ट्र-निर्माण के उस अदृश्य पथ को रूपहले पर्दे पर जीवंत करती है, जिसे संघ ने अपने पसीने और तपस्या से बनाया है।महागाथा का स्वरूपआशीष मॉल के कुशल निर्देशन और अनिल डी. अग्रवाल की ओजस्वी परिकल्पना से सजी यह फिल्म, अजय देवगन की उस गूँजती और गंभीर आवाज़ में पिरोई गई है, जो श्रोताओं के हृदय में राष्ट्रवाद का ज्वार उठा देती है। फिल्म की प्रत्येक कड़ी, संघ के वैचारिक अधिष्ठान, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक अभ्युदय के उन अनछुए पहलुओं को उजागर करती है, जिन्होंने आधुनिक भारत की नियति को गढ़ा है।संगीत और स्वरजब सुखविंदर सिंह की बुलंद आवाज़ में फिल्म का मुख्य गान भगवा है अपनी पहचान गूँजता है, तो वह केवल एक गीत नहीं, बल्कि करोड़ों स्वयंसेवकों के संकल्प की हुंकार बन जाता है। यह संगीत उस अस्मिता का प्रतीक है, जो सदियों की सुप्त चेतना को जागृत करने का सामर्थ्य रखती है।ऐतिहासिक यात्राः संकल्प से सिद्धि तकवीर कपूर द्वारा निर्मित यह महाकाव्य, डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा १९२५ में रोपे गए उस बीज की कहानी है, जो आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। फिल्म उन ऐतिहासिक झंझावातों को भी साहस के साथ दर्शाती है, जिनमें आपातकाल जैसे कठिन समय में संघ की अडिग भूमिका और राष्ट्र के प्रति उनकी अटूट निष्ठा को परखा गया।डॉ. हेडगेवार के प्रथम चरण से लेकर आज के सेवा कार्यों और वैश्विक पहचान तक, शतक हमें उन गलियों और गाँवों में ले जाती है जहाँ स्वयंसेवकों ने बिना किसी प्रचार के राष्ट्र की सेवा को ही अपना परम धर्म माना। यह फिल्म उन लाखों गुमनाम नायकों को एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपना जीवन भारत माता के चरणों में समर्पित कर दिया।शतक फिल्म की देखने के उपरांत में 11 मर्मभेदी एवं ओजस्वी संवाद मेरे मन की भावना के अनुरूप अभिवाक अभिव्यक्त हैं वैदिकफिल्म केवल दृश्यों का समूह नहीं, बल्कि वैदिक मंत्रों का उच्चारण है। मेरी अभिव्यक्ति जो रोंगटे खड़े कर देने वाली है , बच्चों तक को बच्चों तक को फिल्म को दिखाने में मदद मिलेगी :शतक केवल संख्या नहीं, यह सौ वर्षों के आरएसएस का संघर्ष, बलिदानों और संकल्पों की वह शक्ति है जो भारत को पुनः विश्वगुरु बनाएगी।जब तक घर का हर बच्चा अपनी मिट्टी को तिलक नहीं लगाता, तब तक सरहद पर खड़ा सैनिक सुरक्षित महसूस नहीं कर सकता।शत्रु की तलवार से अधिक घातक अपनों की उदासीनता होती है; जागो! इससे पहले कि इतिहास तुम्हें विस्मृत कर दे।अखंडता कोई समझौता नहीं है, यह हमारा अस्तित्व है। खंडित भारत एक शरीर है जिसकी आत्मा छटपटा रही है।मेरे रक्त की हर बूँद में शतक का संकल्प है—जब तक एक भी राष्ट्रविरोधी जीवित है, मेरा विश्राम हराम है।सत्ताएँ आती-जाती रहती हैं, लेकिन राष्ट्र की संस्कृति सनातन है। इस संस्कृति की रक्षा ही हमारा परम धर्म है।इंदौर की गलियों से लेकर पूरे राष्ट्र एवं विश्व भर में सनातन धर्मावलम्बियो भारतीयो तक,गूँज एक ही होनी चाहिए—भारत माता की जय !इतिहास पन्नों में नहीं, पूर्वजों के बलिदानों में होता है। फिल्म शतक उन्हीं बलिदानों का डिजिटल अभिषेक है।कायर वह नहीं जो युद्ध हार जाए, कायर वह है जो युद्ध के मैदान में उतरने से पहले ही वैचारिक हार मान ले।अपनी संतानों को विरासत में संपत्ति दें या न दें, पर राष्ट्रभक्ति का ऐसा संस्कार अवश्य दें कि वे देश के लिए मर मिटना गौरव समझें।अकाट्यता हमारी पहचान है। हमें न कोई काट पाया है, न कोई बाँट पाएगा—शतक यही सत्य सिद्ध करती है।5 महान हिंदी कवि और उनकी अमर रचनाएँ, नई पीढ़ी को अवश्य याद करावेंसाहित्य समाज का दर्पण होता है और राष्ट्रवाद की मशाल। मात्र विचारों को पुष्ट करते हुए ये पाँच कविताएँ शतक के मूल संदेश को परिभाषित करती हैं:1. पं. माखनलाल चतुर्वेदी - पुष्प की अभिलाषाचाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ... मुझे तोड़ लेना वनमाली! उस पथ पर देना तुम फेंक, मातृभूमि पर शीश चढ़ाने जिस पथ जावें वीर अनेक।विवेचना:शतक देखने का आग्रह इसी पुष्प की अभिलाषा का विस्तार है। जैसे पुष्प वैभव के बजाय बलिदान के मार्ग को चुनता है, वैसे ही यह फिल्म हमें व्यक्तिगत सुखों से ऊपर उठकर राष्ट्र-पथ पर चलने की प्रेरणा देती है।2. राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर - रश्मिरथीक्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो, उसका क्या जो दंतहीन विषरहित विनीत सरल हो।

लोबान जलाने से घर में होता है सकारात्मक ऊर्जा का संचार

वास्तुशास्त्र के अनुसार अगर घर में लोबान का धुआं किया जाए तो इससे घर में व्याप्त नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव खत्म हो जाता है। शास्त्रों में शनि को छाया मार्तण्ड कहा गया है अर्थात शनि का संबंध छाया और अंधेरे से है। शनिवार के दिन काली शक्तियां अपने प्रचुर प्रभाव से लोगों पर अपना असर दिखाती हैं तथा अभिचार का कर्म सर्वाधिक रूप से इस दिन होता है परंतु इस सबसे बचने के लिए और शनि को प्रसन्न करने के लिए अनेक प्रकार की औषधियों का वर्णन शास्त्रों में किया गया है। उन्हीं में से एक औषधि है लोबान। लोबान शनि का प्रिय एक ऐसा पत्थर है जिसकी धूप करने से शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है तथा नकारात्मक शक्तियों का अंत होता है। लोबान में सबसे अधिक लोहा पाया जाता है जिसके जलने से एक विशिष्ट गंध का धुआं उत्पन्न होता है। जिसके प्रभाव से काली शक्तियां और नकारात्मक शक्तियां उस स्थान को छोड़ देती हैं। कौड़ियल लोबान सबसे अधिक प्रभावी होता है। इसको जलाने से वातावरण शुद्ध होता है तथा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ये घर के वास्तुदोष को दूर करने में सहायक होता है।

आज का इतिहास

1886 - अमेरिका के शिकागो में कामगारों के लिए काम के घंटे तय करने को लेकर हड़ताल, मजदूर दिवस मनाने की शुरुआत। 1945 - सोवियत लाल सेना का बर्लिन में प्रवेश।
1897 - स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।
1908 - प्रफुल्ल चाकी ने मुजफ्फरपुर बम कांड को अंजाम देने के बाद खुद को गोली मारी।
1914 - कार निर्माता फोर्ड वह पहली कंपनी बनी जिसने अपने कर्मचारियों के लिए आठ घंटे काम करने का नियम लागू किया।
1923 - भारत में मई दिवस मनाने की शुरुआत।
1956 - जोनसा साल्क द्वारा विकसित पोलियो वैक्सीन जनता के लिए उपलब्ध कराई गई।
1960 - महाराष्ट्र और गुजरात अलग अलग राज्य बने।
1972 - देश की कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण।
1984 - फू दोरजी बिना ऑक्सीजन के माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने में सफल।
1993 - श्रीलंका के राष्ट्रपति रणसिंघे प्रेमदास की बम विस्फोट में मृत्यु।
1996 - संयुक्त राष्ट्र ने स्वयं को सरकारी तौर पर निर्धन घोषित किया।
1998 - पोलैंड, हंगरी और चेक गणराज्य को नाटो में शामिल करने संबंधी प्रस्ताव सीनेट में पारित।
2000 - अंतरराष्ट्रीय अन्तर-संसदीय संघ ने पाकिस्तान, आइवरी कोस्ट व सूडान को देश की संसद भंग करने के लिए संघ की सदस्यता से निलंबित किया।
2001 - लश्कर-ए-तोइबा व जैश-ए-मोहम्मद संयुक्त राज्य अमेरिका में आतंकवादी संगठन घोषित, भारत संयुक्त अमेरिकी की विशेष 301 सूची में शामिल।
2002 - अमेरिका की अपील पर इस्त्रायल ने हेब्रोन से सेना हटाई।
2003 - अमेरिकी राजनयिक पाल ब्रोमर की इराक के प्रशासक पद पर नियुक्ति।
2004 - यूरोपीय संघ में 10 नये राष्ट्र शामिल।
2005 - सद्दाम हुसैन ने सशर्त रिहाई की अमेरिकी पेशकश ठुकराई।
2007 - ईएसपीएन द्वारा वनडे क्रिकेट रैंकिंग में भारत को नवां स्थान।
2008 - राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सात नये जजों की नियुक्ति की।

मजहबी उन्मादियों पर लगाम लगाने की आवश्यकता

मनोज कुमार अग्रवाल

महाराष्ट्र के मुंबई से सटे मीरा रोड इलाके में धर्म पूछने के बाद चाकू से हमला करने के मामले ने पूरे देश को पहलगाम आतंकी हमले का जख्म ताजा कर दिया है। यह चाकूबाजी की घटना केवल एक आपराधिक वारदात भर नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज के भीतर पनप रही एक गहरी और खतरनाक मजहबी प्रवृत्ति की ओर संकेत करती है। एक शिक्षित युवक जैव जुबेर अंसारी द्वारा दो निर्दोषों सुरक्षा गार्डों पर धार्मिक आधार पर हमला करना इस बात का प्रमाण है कि कट्टरपंथ का कैंसर अब केवल आतंकी सीमित वर्गों तक नहीं, बल्कि समाज के दूसरे तबके तक पहुंच चुका है।

आपको बता दें महाराष्ट्र के मीरा रोड स्थित नया नगर इलाके में दो हिंदू सिक्योरिटी गाड्र्स को चाकू मारने के मामले में नया खुलासा हुआ है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी जुबैर पहले मौके पर पहुंचा और मस्जिद का रास्ता पूछकर वहां से चला गया। कुछ देर बाद वह फिर लौटा और इस बार उसने हिंदू गार्ड से उसका धर्म पूछा और फिर कलमा पढ़ने को कहा। हिंदू गार्ड ने जब इससे मना कर दिया तो आरोपी जुबैर ने उसपर चाकू से हमला कर दिया। फि वह सिक्योरिटी केबिन में घुसा जहां मौजूद दूसरे गार्ड पर भी इसी तरह हमला किया गया। आरोपी जुबैर के पास मिले नोट में आतंकी संगठन आईएसआईएस जिहाद और गाजा जैसे शब्द लिखे हुए मिले हैं। इस घटना को आतंकी कनेक्शन से जोड़कर भी देखा जा रहा है क्योंकि जुबैर के पास बरामद चीजों से यह संकेत मिल रहा है कि वह किसी आतंकी संगठन से जुड़ा हो सकता है। जांच एजेंसियों को उसके पास कट्टरपंथी विचारों से भरा नोट मिला है।

आरोपी जुबैर साइंस ग्रेजुएट है। वह कई साल तक अमेरिका में रह चुका है। भारत लौटने के बाद वह मीरा रोड में अकेले रह रहा था और ऑनलाइन केमिस्ट्री पढ़ाने का काम कर रहा था। इस मामले की जांच अब और अधिक गहराती जा रही है। इससे लोन वुल्फ हमले की आशंका गहरा गई है। आरोपी जुबैर ने हिंदू गाड्र्स का धर्म पूछा और उनसे यह भी पूछा कि क्या वे कलमा पढ़ सकते हैं?

यह घटना हमें मजबूर करती है कि हम केवल कानून व्यवस्था के नजरिए से नहीं, बल्कि सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल परिवेश के संदर्भ में भी इस समस्या को समझें। पहले मजहबी कट्टरपंथ को अक्सर संगठित आतंकी नेटवर्क से जोड़ा जाता था, लेकिन अब यह धारणा तेजी से बदल रही है। मीरा रोड का मामला स्पष्ट करता है कि सेल्फ-रैडिकलाइजेशन यानी आत्म-उग्रवादीकरण एक नई और गंभीर चुनौती बनकर उभरा है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के जरिए व्यक्ति बिना किसी प्रत्यक्ष संपर्क के भी चरमपंथी विचारधाराओं से प्रभावित हो सकता है। यह बदलाव सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है क्योंकि पारंपरिक निगरानी तंत्र ऐसे लोन वुल्फ हमलों को पहले से पहचानने में अक्सर असफल रहते हैं। जब एक व्यक्ति अपने कमरे में बैठकर धीरे-धीरे कट्टर सोच का शिकार बनता है, तो उसके इरादों का पता लगाना बेहद कठिन हो जाता है। दरअसल आतंकवाद का स्वरूप पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बदला है। पहले जहां संगठित आतंकी समूहों द्वारा योजनाबद्ध हमले होते थे, वहीं अब अकेले व्यक्ति भी बड़े हमलों को अंजाम देने लगे हैं। मीरा रोड का मामला इसी श्रेणी में आता है। आरोपी ने कथित रूप से किसी बड़े नेटवर्क से सीधे जुड़े बिना, ऑनलाइन सामग्री से प्रभावित होकर हमला किया। यह लोन बुल्फ मॉडल अधिक खतरनाक इसलिए है, क्योंकि इसे पहचानना और रोकना कठिन होता है। इस तरह के हमलों में कोई स्पष्ट साजिश या नेटवर्क सामने नहीं आता, जिससे सुरक्षा एजेंसियों के लिए पहले से संकेत जुटाना मुश्किल हो जाता है। यही कारण है कि दुनिया भर में इस प्रकार के हमलों की संख्या बढ़ रही है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। इस घटना का सबसे चिंताजनक पहलू है ऑनलाइन कट्टरपंथीकरण। डिजिटल युग में इंटरनेट एक दोधारी तलवार बन चुका है। जहां यह ज्ञान और अवसरों का स्रोत है, वहीं यह चरमपंथी विचारधाराओं के प्रसार का माध्यम भी बन गया है। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड ऐप्स और वीडियो प्लेटफॉर्मेंस पर आतंकी संगठन अपने विचारों को फैलाने में सफल हो रहे हैं। मीरा रोड के आरोपी के मामले में भी यही पैटर्न दिखाई देता है। कथित तौर पर उसने इंटरनेट पर उपलब्ध प्रोपेगंडा सामग्री के माध्यम से खुद को कट्टरपंथी विचारों से जोड़ लिया। यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है, क्योंकि इसमें व्यक्ति धीरे-धीरे समाज से अलग होकर एक वैचारिक दुनिया में खो जाता है, जहां हिंसा को सही ठहराया जाता है। ऐसी घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं हैं, बल्कि समाज की भी जिम्मेदारी हैं। परिवार, मित्र और शिक्षण संस्थान ऐसे बदलावों को सबसे पहले पहचान सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति के व्यवहार में अचानक बदलाव आता है, जैसे सामाजिक अलगाव, अत्यधिक कट्टर विचार, या ऑनलाइन गतिविधियों में असामान्य वृद्धि, तो इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। माता-पिता और शिक्षकों को युवाओं के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए। केवल निगरानी ही नहीं, बल्कि समझ और मार्गदर्शन भी जरूरी है। यदि हम शुरुआती संकेतों को पहचान लें, तो कई संभावित घटनाओं को रोका जा सकता है। सरकार की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। साइबर मॉनिटरिंग को मजबूत करना, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को जवाबदेह बनाना और डि-रेडिकलाइजेशन कार्यक्रमों को लागू करना समय की मांग है। केवल कड़े कानून बनाना पर्यास नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी आवश्यकत्ता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी जरूरी है, क्योंकि ऑनलाइन कट्टरपंथ की जड़ें अक्सर वैश्विक होती हैं। विभिन्न देशों को मिलकर इस समस्या का समाधान खोजना होगा, ताकि आतंकी संगठनों के डिजिटल नेटवर्क को तोड़ा जा सके। इस घटना के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं, जो स्वाभाविक है। लेकिन यह आवश्यक है कि ऐसे मामलों को राजनीतिक लाभ-हानि के नजरिए से न देखा जाए। आतंकवाद किसी एक दल या विचारधारा का मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न है। सभी राजनीतिक दलों को मिलकर एक साझा रणनीति बनानी चाहिए, जिससे इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके। साथ ही, यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी एक व्यक्ति के कृत्य के आधार पर पूरे समुदाय को दोषी ठहराना न केवल गलत है, बल्कि यह सामाजिक विभाजन को भी बढ़ावा देता है। मीरा रोड की घटना हमें यह सिखाती है कि हमें संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा। एक ओर, हमें अपराधी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और पीड़ितों को न्याय दिलाना चाहिए। दूसरी ओर, हमें यह भी सुनिश्चित करना करना होगा कि समाज में नफरत और नफरत और विभाजन न फैले। आतंकवाद का उद्देश्य ही होता है डर और अविश्वास पैदा करना। यदि हम आपसी सद्भाव बनाए रखते हैं, तो हम इस उद्देश्य को विफल कर सकते हैं। यह समय है जब समाज को एकजुट होकर इस चुनौती का सामना करना चाहिए। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बहु-स्तरीय रणनीति की आवश्यकता है। इसमें परिवार, समाज, सरकार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग सभी की भूमिका है। शिक्षा प्रणाली में भी बदलाव लाना होगा, ताकि युवाओं को आलोचनात्मक सोच और डिजिटल साक्षरता सिखाई जा सके।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

कश्मीर में रेलवे लाइन का होगा दोहरीकरण: रेल मंत्री

जम्मू। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को जम्मू से कटरा तक विस्तारित वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के शुभारंभ के मौके पर घोषणा की कि जम्मू-श्रीनगर रेल कॉरिडोर पर पटरियों को दोहरी करके क्षमता बढ़ाने का काम किया जाएगा ताकि अधिक ट्रेनें चलाई जा सकें। रेल मंत्री ने बात पर भी जोर दिया कि रेलवे सुरक्षा और संरक्षा के लिए रखरखाव प्रक्रियाओं को मजबूत करना महत्वपूर्ण है।

जम्मू रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव नेरखरखाव प्रक्रियाएं सुरक्षा और संरक्षा के लिए हमारी प्राथमिकता हैं। अगला लक्ष्य जम्मू से श्रीनगर रेल लाइन की क्षमता बढ़ाना है। काजीगुंड से अरिनगर लाइन को दोहरी करने से हम देख सकते हैं कि इस लाइन पर अधिक ट्रेनें चलाई जा सकेंगी। यूरोप में भी इसी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है और यही तकनीक जम्मू और कश्मीर में भी इस्तेमाल हो रही है। इस रेलवे लाइन से माल परिवहन को लाभ हुआ है। कश्मीर से दिल्ली तक 2 करोड़ किलोग्राम सेब का परिवहन किया गया है। चेरी के लिए 32 बोगियां बुक की

गई हैं। वैष्णव ने कहा कि जम्मू-कटरा-श्रीनगर मार्ग पर चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस एक बड़ी सफलता साबित हुई है। इसमें पूरी सीटें भरी रहती हैं, यात्रियों की संख्या अधिक है और उन्नत तकनीक की बदौलत अत्यधिक ठंड में भी यह सुचारू रूप से चलती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कटरा से श्रीनगर और अंजी खड मार्ग तथा विश्व के सबसे ऊंचे चिनाब पुल का उद्घाटन किया था और यह ट्रेन बेहद लोकप्रिय हो गई है। इस ट्रेन में 100 प्रतिशत सीटें भरी रहती हैं। अब तक साढ़े पांच लाख से अधिक लोग इसमें यात्रा कर चुके हैं। हम इस वंदे भारत में डोगरी और कश्मीरी व्यंजन परोस रहे हैं। यह ट्रेन -10 डिग्री सेल्सियस के तापमान में भी चल सकती है और इसकी पाइपिंग ऐसी है कि पानी जम नहीं सकता। पिछले हिमपात के मौसम में हमने इस ट्रेन का परीक्षण किया था और उसी के आधार पर इस नई 20 बोगियों वाली ट्रेन में बदलाव किए गए हैं। इसमें उच्च स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगाए गए हैं और इस वंदे भारत में 3000 माइक्रोचिप्स स्थापित किए जा रहे हैं।

जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि मैं रेल मंत्रालय को बधाई देता हूं। हमने आज जम्मू को श्रीनगर से जोड़ दिया है। आज आठ डिब्बों वाली ट्रेन को 20 डिब्बों में परिवर्तित कर दिया गया है और अब जम्मू से श्रीनगर तक 1400 लोग यात्रा कर सकते हैं। इस ट्रेन से हमें बहुत लाभ मिल रहे हैं, सीमेंट और यहां तक कि कारें भी इस ट्रेन से श्रीनगर भेजी जा रही हैं, कश्मीर से अन्य राज्यों में फल भी भेजे जा रहे हैं। हमें जम्मू-कश्मीर में एक ड्राई पोर्ट की आवश्यकता है और हम चाहते हैं कि निर्यात किए जाने वाले सामानों की सीमा शुल्क निकासी जम्मू-कश्मीर में ही हो। हम इस दिन का इंतजार कर रहे थे।

इस बीच केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कश्मीर घाटी के लिए लंबे समय से लंबित रेल संपर्क को पूरा करने का श्रेय नरेंद्र मोदी और अश्विनी वैष्णव को दिया।। उन्होंने कहा कि मैं अश्वनी वैष्णव जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ। मैंने उधमपुर में रुकने का अनुरोध किया था और वह मान लिया गया। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूँ। 1972 में ट्रेन जम्मू पहुँची थी और 42 साल बाद, ट्रेन कटरा पहुँची। मोदी जी ने 2014 में कटरा रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया था। श्रीनगर तक का काम रुका हुआ था। मोदी जी ने वह काम फिर से शुरू किया और अब दुनिया का सबसे ऊँचा पुल खड़ा है और आज हम श्रीनगर से जुड़े हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि यह ट्रेन जो पहले श्रीनगर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक चलती थी, अब जम्मू तवी तक चलेगी जिससे देश की सबसे आधुनिक ट्रेन सीधे जम्मू-कश्मीर के सबसे बड़े शहर और रेलवे हब तक पहुँचेगी। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 जून 2025 को कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई तब ट्रेन में 8 डिब्बे थे। तब से यह ट्रेन लगातार पूरी क्षमता से चल रही है और यात्रियों की ओर से इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। ट्रेन में 20 कोच जोड़ने का निर्णय इसी मांग का सीधा जवाब है जिससे ट्रेन की बैठने की क्षमता एक झटके में दोगुनी से अधिक हो जाएगी और विशेष रूप से तीर्थयात्रा और पर्यटन के व्यस्त मौसमों के दौरान आरक्षण और प्रतीक्षा सूची पर दबाव काफी कम हो जाएगा।

तमिलनाडु व केरल में इंडी गठबंधन की जीत तय: खरगे

कलबुर्गी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि तमिलनाडु और केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन जीत हासिल करेगा। असम में हमें कम सीटें मिलने का अनुमान एग्जिट पोल में जताया गया है, लेकिन हम उससे ज्यादा सीटें जीतेंगे।

कांग्रेस नेता खरगे यहां कलबुर्गी में पांच राज्यों चुनाव के नतीजों को लेकर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए खरगे ने कहा कि वहां तृणमूल कांग्रेस के आगे रहने की संभावना है। एनडीए दलों ने टीएमसी को कड़ी टक्कर दी है, जबकि कांग्रेस इस बार अकेले चुनाव मैदान में उतरी थी। उन्होंने कहा कि भाजपा और टीएमसी दोनों ही जीत का दावा कर रही हैं। दो दिन इंतजार कर लें, उसके बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। पूर्ण नतीजे आने के बाद पश्चिम बंगाल में टीएमसी को समर्थन देने पर चर्चा करेंगे। कर्नाटक की राजनीति में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों से जुड़े सवाल पर खरगे ने कहा कि इस मुद्दे को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ लोग मुझे मुख्यमंत्री बनाने की बात कर रहे हैं, यह उनका व्यक्तिगत विचार है, लेकिन पार्टी के फैसले हाईकमान लेता है। हम विचारधारा के आधार पर काम करते हैं।

खरगे ने यह भी कहा कि पार्टी के निर्णयों में सोनिया गांधी की भूमिका अहम रहती है और जरूरत पड़ने पर राहुल गांधी से भी चर्चा की जाती है। उन्होंने कहा कि फिलहाल राज्य में मुख्यमंत्री हैं, इसलिए नेतृत्व परिवर्तन का कोई सवाल नहीं है। भविष्य में ऐसी स्थिति आती है तो सभी मिलकर निर्णय लेंगे। अभी समय है।

अमित शाह आज लद्दाख में डेयरी व सहकारी पहलों का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को लद्दाख के लेह स्थित केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान (सीआईबीएस) में आयोजित कार्यक्रम में डेयरी एवं सहकारी क्षेत्र से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह और लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना उपस्थित रहेंगे।

सहकारित मंत्रालय के अनुसार कार्यक्रम के दौरान लद्दाख में डेयरी अवसंरचना को मजबूत करने के लिए कई अहम पहल की जाएंगी। कारगिल में 10 टन प्रतिदिन क्षमता वाले डेयरी प्लांट की आधारशिला रखी जाएगी, जबकि लेह में दही और पनीर उत्पादन इकाइयों का उद्घाटन किया जाएगा। साथ ही दूध के भंडारण और परिवहन को बेहतर बनाने के लिए बल्क मिल्क कूलर सिस्टम भी शुरू किया जाएगा। सहकारी क्षेत्र में डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए एंड्रॉयड आधारित ऑटोमेटेड मिल्क कलेक्शन सिस्टम (एएमसीएस) ऐप भी लॉन्च किया जाएगा, जिससे दूध

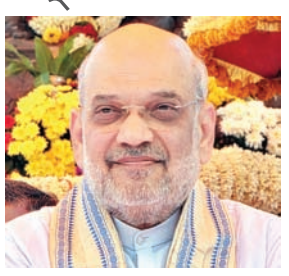

खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और किसानों को भुगतान में सुविधा होगी। इसके अलावा दूध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक मोबाइल दूध परीक्षण प्रयोगशाला को भी हरी झंडी दिखाई जाएगी। ड

`यरी उत्पादों के विपणन और वितरण को बढ़ाने के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे स्थानीय उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के प्रगतिशील डेयरी किसानों को सम्मानित भी किया जाएगा। यह पहल सहकार से समृद्धि के विजन को आगे बढ़ाने और दूरदराज क्षेत्रों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर में दिखाई सैन्य ताकत, हमने अपनी शर्तों पर युद्ध को रोका : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को साफ संदेश दिया कि किसी भी हालत में आतंकवाद की कोई भी हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर को इस खतरे के खिलाफ सरकार के पक्के इरादे का सबूत बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद एक गलत सोच से निकलता है, जिसे धार्मिक रंग देकर या हिंसक सोच से जोड़कर सही ठहराने की कोशिश की जाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद एक बिगड़ी हुई और गलत सोच से पैदा होता है। यह इंसानियत पर एक काला धब्बा है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सिर्फ नेशनल सिक्योरिटी का मामला नहीं, बल्कि यह असल में इंसानियत के खास मूल्यों की रक्षा करने की लड़ाई है। यह एक ऐसी वहशी सोच के खिलाफ लड़ाई है, जो हर इंसानी मूल्य के सीधे खिलाफ है। हमने देश और विदेश दोनों जगह इस भारतीय नजरिए को साफ तौर पर बताया है। आतंकवाद सिर्फ एक देश विरोधी काम नहीं है। इसके कई पहलू हैं- ऑपरेशनल, वैचारिक और राजनीतिक। इससे तभी निपटा जा सकता है, जब हम इन सभी पहलुओं

से निपटें। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब तक आतंकवाद रहेगा, यह सबकी शांति, विकास और खुशहाली को चुनौती देता रहेगा।

आतंकवाद को धार्मिक रंग देकर या नक्सलवाद जैसी हिंसक सोच से जोड़कर उसे सही ठहराने की कोशिश की जाती है। यह बहुत खतरनाक है और एक तरह से आतंकवादियों को कवर फायर देता है, ताकि वे धीरे-धीरे अपने मकसद की ओर बढ़ सकें। आतंकवाद को पाकिस्तान के लगातार सहयोग पर राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों एक ही समय पर आजाद हुए थे, लेकिन आज भारत दुनिया भर में 'इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी' के लिए जाना जाता है, जबकि पाकिस्तान को 'इंटरनेशनल टेररिज्म' का केंद्र माना जाता है। राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सशस्त्र बलों के मिल-जुलकर काम करने और तालमेल का एक शानदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं ने मिलकर और एक योजना के तहत काम किया, जिससे यह पक्का हो गया कि भारत की सैन्य ताकत अब अकेले काम नहीं करती, बल्कि यह एक मिली-जुली, इंटीग्रेटेड और ग्लोबल ताकत के तौर पर उभरी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत किसी के झांसे या न्यूक्लियर हमले की धमकी में नहीं फंसा और तय लक्ष्यों को पूरा किया। यह एक ऐसा भारत है, जो आतंकवाद और उसे प्रायोजित करने वालों के बीच कोई फर्क नहीं करता।

राजनाथ सिंह ने इटली के रक्षा मंत्री के साथ पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर चर्चा की

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में इटली के अपने समकक्ष मिस्टर गुइडो क्रोसेटो के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। इस दौरान उन्होंने दोहराया कि भारत-इटली के बीच रणनीतिक साझेदारी शांति, स्थिरता, आजादी और आपसी सम्मान के साझा मूल्यों पर आधारित है। द्विपक्षीय वार्ता के लिए पहुंचने पर इटली के रक्षा मंत्री

को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेटो ने नेशनल वॉर मेमोरियल पर पुष्पचक्र चढ़ाकर देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। द्विपक्षीय वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने 2026-27 के लिए द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना का भी आदान-प्रदान किया, जिसमें सैन्य जुड़ाव का रास्ता तय किया गया। राजनाथ सिंह ने कहा कि 'आज दिल्ली में अपने इटैलियन समकक्ष का स्वागत करके और उनके साथ लंबी बातचीत करके खुशी हुई। हमने वेस्ट एशिया के मौजूदा हालात समेत कई रीजनल और ग्लोबल मुद्दों पर चर्चा की। हमने 'आत्मनिर्भर भारत' कार्यक्रम और इटली के रक्षा सहयोग पहल के तहत आपसी फायदे वाले रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की।' बैठक में दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही बदलते सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार साझा किये। दोनों मंत्रियों ने दोहराया कि भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी शांति, स्थिरता, स्वतंत्रता और आपसी सम्मान के साझा मूल्यों पर आधारित है। रक्षा मंत्री की अक्टूबर, 2023 में रोम यात्रा के बाद भारत और इटली के बीच रक्षा सहयोग को और गति मिली। रक्षा मंत्री क्रोसेटो की भारत की पहली यात्रा से दोनों देशों की मौजूदा सहयोग को और विस्तार देने और विशेष रूप से औद्योगिक साझेदारी के क्षेत्र में सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने की इच्छा प्रतिबिंबित हुई है। बैठक में अलग-अलग जरूरी समुद्री मुद्दों पर दोनों पुराने समुद्री देशों के बीच तालमेल पर भी जोर दिया गया, जिसमें गुरुग्राम के सूचना संलयन केंद्र-हिंद महासागर क्षेत्र के जरिए सूचनाओं का आदान-प्रदान भी शामिल है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच इसी साल जनवरी में रक्षा और रणनीतिक साझेदारी पर हुए समझौते से दोनों पक्षों के बीच रणनीतिक तालमेल बढ़ रहा है। यह समझौता रक्षा उद्योग में सहयोग को तेज करने के साथ-साथ साझा हितों वाले क्षेत्रों में नई संभावनाओं को प्रोत्साहित करेगा।

वीआईपी कल्चर छोड़ आम जनता से जुड़ें संगठन के नेता : राहुल गांधी

धर्मशाला। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए वीआईपी संस्कृति छोड़कर आम जनता से सीधे संवाद करना होगा।

उन्होंने कांग्रेस के जिलाध्यक्षों से जमीनी मुद्दों को प्राथमिकता देने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के नैरेटिव का जवाब मीडिया के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से दिया जाए। राहुल गांधी ने यह बात वीरवार को कांगड़ा में हिमाचल प्रदेश, पंजाब और जम्मू कश्मीर राज्यों के 80 कांग्रेस अध्यक्षों के ट्रेनिंग शिविर के समापन पर कही। उन्होंने इस दौरान जिलाध्यक्षों को पार्टी को मजबूत करने और आम लोगों

से जुड़कर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने के टिप्स दिए। राहुल गांधी ने अपने साढ़े चार घंटे के ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान संगठन को मजबूत करने, मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग और विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने के भी टिप्स दिए। ट्रेनिंग सेशन के बाद राहुल गांधी ने दोपहर बाद ट्रेनिंग शिविर में आए कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के साथ लंच किया और दोपहर सवा दो बजे वह कांगड़ा से वापस दिल्ली लौट गए।

गौरतलब है कि कांग्रेस का संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत 10 दिवसीय ट्रेनिंग कैंप हिमाचल के कांगड़ा में रखा गया था। इसमें तीन प्रदेशों के 80 जिला अध्यक्षों को 10 दिन तक ट्रेनिंग दी गई। वीरवार को ट्रेनिंग कैंप खत्म हो गया है।

इसी तरह के कैंप कांग्रेस दूसरे राज्यों में भी लगा चुकी है। इसका मकसद संगठन को मजबूत बनाना है। उधर, इससे पूर्व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वीरवार सुबह करीब 8 बजे कांगड़ा एयरपोर्ट पर उतरे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से कांगड़ा के गुप्त गंगा पहुंचे, जहां पंजाब, हिमाचल व जम्मू-कश्मीर राज्यों के कांग्रेस अध्यक्षों का ट्रेनिंग कैंप चल रहा था। इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने एयरपोर्ट पर राहुल गांधी जा स्वागत किया और फिर राहुल गांधी के साथ ही गाड़ी में ट्रेनिंग शिविर स्थल गुप्त गंगा पंहुचे। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा इस शिविर को सम्बोधित करने से संगठन के पदाधिकारियों को एक नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने कहा कि देवभूमि हिमाचल के कांगड़ा में इस शिविर का आयोजन आने वाले समय में संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शिविर में मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग, जमीनी स्तर पर मतदाताओं से जुड़ने और विपक्षी दलों के नैरेटिव का जवाब देने के टिप्स दिए हैं।

लद्दाख में 4.1 तीव्रता का भूकंप, लेह में था केंद्र

लेह। लद्दाख में गुरुवार को 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र लेह में था और यह भारतीय समयानुसार 03:54:49 बजे दर्ज किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार गुरुवार सुबह 3:54 बजे भूकंप आया। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 रही। भूकंप 150 किमी की उथली गहराई पर आया, जिसका केंद्र अक्षांश 36.722 उत्तर और देशांतर 74.456 पूर्व पर लेह, लद्दाख में स्थित था। भूकंप के कारण किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

दिल्ली के केशव कुंज में 'संघ गंगा के तीन भगीरथ' का 100वां मंचन प्रेरणादायक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दिल्ली के संघ कार्यालय 'केशव कुंज' के अशोक सिंघल सभागार में 'संघ गंगा के तीन भगीरथ' नामक हिंदी नाटक का मंचन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा और संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर उपस्थित रहे।

'संघ गंगा के तीन भगीरथ' नाटक संघ के प्रथम तीन सरसंघचालकों- डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार, माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) और बालासाहेब देवरस के जीवन एवं उनके योगदान पर आधारित है। नाटक के माध्यम से संघ की सौ वर्षों की यात्रा को सजीव रूप से प्रस्तुत किया गया है। संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार शाम आयोजित इस नाटक का यह 100वां मंचन था। इस अवसर पर मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, "संघ गंगा के तीन भगीरथ' जैसी प्रस्तुतियां राष्ट्रभक्ति, संगठन, अनुशासन और समर्पण की भावना को सशक्त करती हैं। गंगा के समान यह वैचारिक और सांस्कृतिक प्रवाह निरंतर चलता रहता है और इसी प्रवाह से समाज तथा राष्ट्र को नई दिशा मिलती है। नाटक, मंचन, लेखन और अन्य सांस्कृतिक कलाकृतियों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का यह कार्य सतत आगे बढ़ता रहे, यही हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

यह नाटक श्रीधर गाडगे द्वारा लिखित तथा संजय पेंडसे द्वारा निर्देशित है। यह नाट्य कृति उन महान विभूतियों के जीवन को सजीव करती है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए एक सशक्त, अनुशासित और व्यापक संगठन का निर्माण किया। संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में इस नाटक के अनेक मंचन देशभर में आयोजित किए जा रहे हैं। नाटक का उद्देश्य राष्ट्रवाद, स्व-अनुशासन, सामाजिक समरसता और संघ के गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि, सामाजिक कार्यकर्ता, साहित्यकार, कलाकार और नागरिक उपस्थित रहे। संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 30 अप्रैल 2025 से पूरे देश में इस नाटक का मंचन किया जा रहा है। दिल्ली में इसके पहले भिन्न-भिन्न स्थानों पर इस नाटक का मंचन किया जा चुका है।

छत्तीसगढ़ के स्कूलों में फर्जी नामांकन का बड़ा खुलासा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में फर्जी नामांकन का एक बड़ा खुलासा हुआ है। अप्रैल 2026 की ताजा रिपोर्टों के अनुसार, आधार लिंकिंग और डिजिटल सत्यापन की प्रक्रिया के बाद यह चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

इस गड़बड़ी का खुलासा अप्रैल 2026 की रिपोर्ट में हुआ, जब शिक्षा विभाग ने यू-डाइसपोर्टल पर डेटा को पूरी तरह फिल्टर किया। पहले स्कूलों में केवल विद्यार्थियों की कुल संख्या दर्ज की जाती थी, जिससे फर्जी नाम जोड़ना आसान था, लेकिन हाल ही में केंद्र और राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के नाम के साथ आधार नंबर और मोबाइल नंबर की एंट्री अनिवार्य कर दी। जब डेटा को आधार से लिंक किया गया, तो पोर्टल ने उन नामों को स्वीकार नहीं किया, जिनका आधार पहले से कहीं और पंजीकृत था या जिनका आधार फर्जी था। स्कूली शिक्षा प्रबंधन सूचना प्रणाली में जैसे ही डिजिटल सत्यापन हुआ, 10 लाख से अधिक ऐसे नाम पोर्टल से बाहर हो गए जो केवल कागजों पर मौजूद थे। वर्ष 2024 से 2026 के बीच प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहली से 10वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के आधार लिंकिंग से फर्जी और डुप्लीकेट नामांकन उजागर हुए हैं। डिजिटल सत्यापन के बाद इनकी सही संख्या सामने आई है। वर्ष 2024 में जहां 53.69 लाख विद्यार्थियों को किताबें बांटी गई थीं, वहीं 2026 में यह संख्या घटकर 43 लाख रह गई है। इससे अब लगभग 50 लाख किताबें कम छापनी होंगी। जिन 'घोस्ट स्टूडेंट्स' का अस्तित्व ही नहीं था, उनके नाम पर भी राशन और बजट जारी किया जा रहा था। अन्य सरकारी योजनाओं जैसे निःशुल्क साइकिल और यूनिफॉर्म वितरण में भी इसी तरह के फर्जीवाड़े की आशंका जताई जा रही है। यदि वर्तमान 45 लाख की वास्तविक संख्या को आधार माना जाए, तो चार वर्षों में करीब 25 लाख अतिरिक्त विद्यार्थियों के लिए किताबें छपीं। प्रति छात्र 250 रुपये के हिसाब से यह खर्च करीब 62.50 करोड़ रुपये बैठता है। यह अंतर किताबों की छपाई और वितरण में गड़बड़ी की ओर संकेत करता है।

देश में एलपीजी की सौ फीसदी आपूर्ति की गई सुनिश्चित, स्टॉक की कमी नहीं: केंद्र

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बदलती परिस्थितियों और मौजूदा संकट के बीच केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की सप्लाई 100 फीसदी सुनिश्चित की गई है। एलपीजी बुकिंग की अवधि को भी कुशलतापूर्वक मैनेज करने के प्रयास किए गए हैं। इसके साथ ही किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर के पास स्टॉक की कमी नहीं है, जबकि आपूर्ति भी बिना रुकावट जारी है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि देश में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की सप्लाई सौ फीसदी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि बुकिंग की अवधि को भी कुशलतापूर्वक मैनेज करने के प्रयास किए गए हैं। इसके साथ ही किसी भी एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के पास स्टॉक की कमी नहीं है और ऑनलाइन बुकिंग लगभग 98 फीसदी

तक बढ़ गई है। वहीं, लगभग 93 फीसदी एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी 'डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड' सिस्टम के माध्यम से की जा रही है। सुजाता शर्मा ने बताया कि कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 70 फीसदी तक बहाल कर दी गई है।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स की तीन-सदस्यीय समिति, राज्य सरकारों के समन्वय से कमर्शियल एलपीजी की निरंतर बिक्री सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि इस महीने लगभग 1,92,532 टन कमर्शियल एलपीजी की बिक्री हुई है, जिसमें अकेले कल ही लगभग 8,500 टन की बिक्री हुई। इसके अलावा एलपीजी वितरक पर कहीं भी स्टॉक खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के उर्वरक विभाग में संयुक्त सचिव, अपर्णा एस. शर्मा ने कहा कि उर्वरकों की उपलब्धता मजबूत बनी हुई है और आपूर्ति जरूरत से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि खरीफ 2026 सीजन के लिए 390.54 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) की जरूरत के मुकाबले मौजूदा स्टॉक 193.38 एलएमटी है, जो लगभग 50 फीसदी है। उन्होंने बताया कि यह बेहतर योजना, पहले से स्टॉक रखने और कुशल लॉजिस्टिक्स को दिखाता है, जिससे सभी राज्यों में आपूर्ति स्थिर बनी हुई है।

यूरिया की उपलब्धता 73.81 एलएमटी और डीएपी की 23.47 एलएमटी है, जबकि अन्य उर्वरक भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। शर्मा ने कहा कि अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अपर्णा एस. शर्मा ने कहा कि वैश्विक संकट के बाद घरेलू उत्पादन और आयात स्थिर बने हुए हैं, जिससे कुल उपलब्धता में लगभग 78 एलएमटी की बढ़ोतरी हुई है।

गिरगिट की तरह रंग बदलने वाली कांग्रेस और सपा जन्मजात महिला विरोधी: योगी

विस के विशेष सत्र से पहले मुख्यमंत्री ने की पत्रकारों से वार्ता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र से पहले कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इन दलों को महिला विरोधी बताते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का संशोधन रोकने के उनके आचरण की निंदा के लिए यह विशेष सत्र बुलाया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा सत्र से पहले आज सुबह पत्रकारों से वार्ता की। योगी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल जन्मजात महिला-विरोधी हैं। उनकी रग-रग में नारी का अपमान भरा हुआ है। जब भी सपा को प्रदेश में सत्ता मिली, महिलाओं पर अत्याचार और क्रूर घटनाओं ने बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं। हर व्यक्ति जानता है कि सपा सरकार के समय 'देख सफाई, बिटिया घबराई' जैसे स्लोगन बन गए थे। स्टेट गेस्टहाउस कांड हो या अन्य महिला संबंधी अत्याचार, इनकी छवि जगजाहिर है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष किया कि इनके पास कालिख मिटाने का अच्छा अवसर था। वे नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक में सहयोग कर अपनी महिला-विरोधी छवि बदल सकते थे, लेकिन उन्होंने यह मौका भी गंवा दिया। अब ये दल लगातार इस मुहिम में लगे हैं कि यह संशोधन और अधिनियम लागू न हो पाए। विपक्ष ने ऐसे प्रयास किए जिनसे प्रदेश और देश में व्यवस्था पर सवाल खड़े हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुवार को पूरे दिन इसी विषय पर चर्चा होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा कि उनके नेतृत्व में महिलाओं को गरिमा, सम्मानजनक स्थान, स्वावलंबन और सशक्तीकरण मिल रहा है। नीति-निर्धारण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए भाजपा और एनडीए निरंतर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने शाहबानो प्रकरण से लेकर अब तक के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष हमेशा महिलाओं के आरक्षण के मार्ग में बाधक बना रहा है। गुरुवार की चर्चा में सपा, कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और अन्य सहयोगी दलों और उनके महिला-विरोधी चरित्र को पूरी तरह एक्सपोज किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने विधानमंडल दल के सभी सदस्यों से अपील की कि वे चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने सपा और कांग्रेस के सदस्यों से कहा कि अगर इनमें नैतिक साहस है तो चर्चा में भाग लें और स्पष्ट बताएं कि उन्होंने नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक का विरोध क्यों किया? इस विरोध के पीछे उनकी मंशा क्या थी? मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर उन्हें लगता है कि उनके नेताओं ने गलत किया है तो इनका दायित्व है कि वे माफी मांगें या निंदा प्रस्ताव को पारित करवाकर महिला-विरोधी आचरण की निंदा के भागीदार बनें। उन नेताओं की जरूर निंदा की जानी चाहिए, जिन्होंने आधी आबादी को राजनीतिक सशक्तीकरण और आरक्षण के लाभ से वंचित रखा।

विधानसभा विशेष सत्र से पहले विपक्ष के खिलाफ भाजपा की महिला विधायकों का प्रदर्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के एकदिवसीय विशेष सत्र से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला विधायकों ने हाल में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन अधिनियम लोकसभा में पारित नहीं हो पाने के विरोध में विपक्ष को घेरते हुए विधान भवन परिसर में प्रदर्शन किया।

समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों द्वारा महिला आरक्षण के नाम पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए विधान भवन स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किए जाने के बाद भाजपा की महिला विधायकों ने भी इसी प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया। हाथों में 'मातृशक्ति का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान' के बैनर लिए प्रदर्शन कर रहीं भाजपा सदस्यों ने बैनर लेकर ही विधान भवन के मंडप में प्रवेश किया। प्रदर्शन में शामिल प्रदेश की महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने इस मौके पर संवाददाताओं से कहा कि सपा और कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण का विरोध किया है जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर हम सभी महिलाएं साथ हैं और हम अपने आरक्षण को लेकर रहेंगे। भाजपा विधायक केतकी सिंह ने कहा कि यह प्रदेश की करोड़ों महिलाओं का आक्रोश है जो विधानसभा में दिख रहा है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष ने महिला आरक्षण में बाधा उत्पन्न करके महिलाओं को धोखा दिया है और यह प्रदर्शन तो शुरुआत है, जल्द हर गली, हर चौराहे और हर घर की महिला इस विरोध प्रदर्शन में भाग लेगी। राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने कहा कि नारी शक्ति को सशक्त और मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विधेयक लेकर आए थे और उसे पारित कराने की कोशिश कर रहे थे लेकिन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने आधी आबादी को रोकने का जो घृणित कार्य किया है उसकी हम भर्त्सना करते हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा का एकदिवसीय विशेष सत्र आज आयोजित किया जाएगा जिसमें सरकार इस सत्र में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित न होने के लिए विपक्षी दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाएगी। इसका उद्देश्य 2027 चुनाव से पहले विपक्ष को महिला विरोधी के रूप में घेरना है। वहीं, विपक्ष इसका पुरजोर विरोध कर रहा है।

पेड़ पर गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से ट्रैक्टर चालक की मौत

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में गुरुवार को सुबह अचानक तेज बारिश के दौरान बाह क्षेत्र में चमक गरज के साथ एक पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरने से पेड़ के नीचे खड़े एक व्यक्ति की मौत हो गई । पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आगरा में अधिकांश क्षेत्रों में बृहस्पतिवार को सुबह अचानक मौसम खराब हो गया और तेज बारिश होने लगी, इसी दौरान थाना क्षेत्र बाह अंतर्गत ग्राम राजारामपुर तेज गरज और चमक के साथ बिजली खेत के किनारे खड़े एक पेड़ पर गिर गई पेड़ के नीचे खड़े महेश कुमार (35) पुत्र रामस्वरूप निवासी ग्राम धोबई, बाह आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बिजली गिरने से वृक्ष में भी बड़ी दरार आ गयी। मृतक खेत जोतने के लिए आसपास के गांवों में ट्रैक्टर चलाने का काम करता था। आज सुबह महेश पास के गांव राजारमपुर में ट्रैक्टर चलाने के लिए गए थे कि इसी दौरान मौसम खराब होने और तेज बारिश आने से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़े हो गए थे और दुर्घटना हो गयी।

घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस व प्रशासन को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा भर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।मृतक महेश के परिजनो,उनकी पत्नी भावना और मासूम बच्चों पुत्र आयुष (11) एवं कृष्णा (6) पुत्री दीक्षा (5) का रो रो के बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक का माहौल है।

घरेलू विवाद में पति ने पत्नी का गला दबा मार डाला, पुलिस को सूचना देकर हुआ फरार

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के लक्सा औरंगाबाद में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। बुधवार देर रात हुई घटना की जानकारी पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन और पूछताछ के बाद शव को कबीरचौरा अस्पताल के मोर्चरी भिजवाया। गुरूवार को पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दशाश्वमेध क्षेत्र के जंगमबाड़ी स्थित एक ब्यूटीपार्लर में काम करने वाली पूनम नाम की महिला ने पहले पति के मौत के बाद औरंगाबाद लक्सा निवासी मनोज शर्मा से विवाह किया था। दोनों औरंगाबाद निवासी राजू नामक व्यक्ति के मकान के पहले तल पर किराए का कमरा लेकर रहते थे। पड़ोसियों के अनुसार पति–पत्नी में अक्सर विवाद और मारपीट भी हो जाती थी। बुधवार देर शाम दोनों में किसी बात पर विवाद हुआ तो मनोज शर्मा ने पत्नी पूनम की गला दबाकर हत्या कर दी। रात भर वह शव के समीप बैठा रहा। इसके बाद सुबह पुलिस को घटना की जानकारी देकर कमरे से भाग निकला। लक्सा थाना प्रभारी के अनुसार फरार मनोज शर्मा की तलाश की जा रही है। शीघ्र ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बुलंदशहर : जिम में तीन लोगों की हत्या का आरोपित जीतू सैनी मुठभेड़ में ढेर

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जनपद के खुर्जा कोतवाली क्षेत्र में बीते दिनों जिम में बर्थडे पार्टी के दौरान तीन लोगों की गोली मारकर हत्या मामले में का मुख्य आरोपित जीतू सैनी गुरुवार को मुठभेड़ में ढेर हो गया। आरोपित पर पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। इस मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खुर्जा के क्षेत्राधिकारी शोभित कुमार ने बताया कि खुर्जा कोतवाली के सुभाष मार्ग स्थित जिम पर 25 अप्रैल की रात को तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड का मुख्य आरोपित जीतू सैनी और पुलिस के बीच आज सुबह झाझर रोड सिकंदरपुर गांव के पास मुठभेड़ हो गई। दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग के दौरान जीतू सैनी के दो गोली लगी, जबकि स्वाट टीम प्रभारी इंस्पेक्टर मो. असलम और हेड कांस्टेबल मोहित मलिक भी गोली लगने से घायल हो गए।

सीओ ने बताया कि घायल अवस्था में हत्यारोपित जीतू को जटिया अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसको जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान मुख्य आरोपित जीतू की मौत हो गई। उसके कब्जे से दो पिस्टल, एक तमंचा व जिंदा कारतूस, खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं ।सीओ ने बताया कि घायल पुलिसकर्मियों का हायर सेंटर में उपचार जारी है। वहीं घटना में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

देवरिया में भाजपा महिला मोर्चा ने निकाली जन आक्रोश महिला पदयात्रा, निशाने पर रहा विपक्ष

देवरिया। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के बैनर तले गुरुवार जन आक्रोश महिला पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला आरक्षण के विरोध करने वालों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई और मार्च थाना परिसर तक पहुंचा, जहां महिलाओं ने अपनी आवाज बुलंद की।

पदयात्रा में भाजपा महिला जिला महामंत्री बबीता चौहान, जिला मंत्री माया विश्वकर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष सुधा निगम तथा ब्लॉक प्रमुख उषा पासवान की अगुवाई में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं। इसके अलावा नीलम यादव, कुसुमावती निषाद, महामंत्री हरि नारायण सिंह, सभासद दिलीप जायसवाल, तेज प्रताप, राजीव गुप्ता, सुनील गुप्ता, इंजीनियर सुशील चंद, महेश वर्मा, अमरेंद्र राव, सुनील श्रीवास्तव, अनूप मद्धेशिया, शिवशरण वर्मा, दीपक जायसवाल और मुमताज अहमद समेत अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता पदयात्रा में शामिल हुए।

इस अवसर पर जितेंद्र गुप्ता ने कहा कि महिला आरक्षण देश की महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं और महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को जन-जन तक पहुंचाएं, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित हो सके।

आरपीएफ ने ट्रेन से गायब बैग में रखा 5.56 लाख का सामान 24 घंटे में लौटाया

बाराबंकी। रेलवे सुरक्षा बल(आरपीएफ) की तत्परता से ट्रेन में गलती से बदले गए 5 लाख 56 हजार रुपये के जेवरात, नकदी और कपड़ों से भरे बैग उनके असली मालिकों को लौटा दिए गए। आरपीएफ पोस्ट बुढ़वल तथा अपराध शाखा लखनऊ की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की।

वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ लखनऊ अरुण त्रिपाठी ने गुरुवार को बताया कि 29 अप्रैल को सूचना मिली कि ट्रेन संख्या 15203 बरौनी-लखनऊ एक्सप्रेस के कोच एस/3, सीट 19 पर यात्रा कर रही महिला यात्री सुप्रिया शबनम पत्नी मनोज कुमार ठाकुर, निवासी विकास नगर, लखनऊ का लाल बैग बुढ़वल स्टेशन पर बदल गया है। बैग में कीमती जेवरात, कपड़े और नकदी थी। जांच में सामने आया कि उसी कोच में सीट 17, 18 और 20 पर देवरिया से बुढ़वल तक सफर कर रहे सहयात्रियों ने उतरते समय भूलवश सुप्रिया का बैग उतार लिया और अपना बैग ट्रेन में छोड़ दिया। सूचना पर वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में संयुक्त टीम बनाई गई। टीम में शामिल आरपीएफ पोस्ट बुढ़वल के प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार, उपनिरीक्षक जसवीर सिंह तथा अपराध शाखा लखनऊ के निरीक्षक मुकेश कुमार सिंह और उपनिरीक्षक प्रशांत सिंह यादव ने पैसेंजर डेटा से सहयात्री का मोबाइल और पता निकाला।

एक भी आयुष्मान कार्ड न बनवाने वाली सभी एएनएम को जारी होगा नोटिस: डीएम

बलिया। उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया के जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक गुरुवार को विकास भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक में आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की विकासखंडवार समीक्षा की गई। जिसमें लक्ष्य के मुकाबले बेहद धीमी प्रगति सामने आने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई।

बलिया में आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य 16,08,974 निर्धारित है, जबकि 25 नवंबर 2025 से 15 अप्रैल 2026 तक 83,551 कार्ड ही बनाए जा सके हैं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित एएनएम और सीएचओ की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से उन एएनएम खुशबू, नीतू राय, सावित्री राय और पूनम राय पर कड़ा रुख अपनाया। जिनके द्वारा एक भी आयुष्मान कार्ड नहीं बनाया गया।

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि संबंधित कर्मियों को तत्काल शोकाज नोटिस जारी किया जाए और आगे भी लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में डीएम को यह भी बताया गया कि आयुष्मान कार्ड बनाने में बलिया प्रदेश में छठे स्थान पर है। इसके बावजूद जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से कार्य में तेजी लाने की अपील की। बैठक के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

देवरिया : सपा कार्यकर्ता और पूर्व विधायक सहित कई नेता हिरासत में लिए गए

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद की बरहज तहसील मुख्यालय पर गुरुवार को समाजवादी पार्टी(सपा) के प्रदर्शन के एलान के चलते भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। इस बीच सपा के कई कार्यकर्ताओं को नगर के पीडब्ल्यूडी डाक बंगले से पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

दरअसल सपा कार्यकर्ता डाक बंगले में एक बैठक कर रहे थे। पुलिस को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, सीओ राजेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और मौके से सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इनमें पूर्व विधायक स्वामी नाथ यादव, गेनालाल यादव, अंबिका चौधरी और राजन भुर्जी शामिल थे। इन सभी को हिरासत में लेकर देवरिया मुख्यालय भेज दिया गया है। यह कार्रवाई धरना प्रदर्शन और तहसील घेराव की सूचना के मद्देनजर की गई। तहसील परिसर में फायर ब्रिगेड, पीएसी के जवानों के साथ-साथ कई थानों की पुलिस फोर्स भी तैनात कर दी गई है। एसडीएम हरि शंकर ने बताया कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए निषेधाज्ञा लगाई गई है। जिसके चलते किसी भी प्रदर्शन या बैठक की अनुमति नहीं है। इसी का पालन करते हुए कई कुछ नेता एवं कार्यकर्ताओं के एक जगह इकट्ठा होने की जानकारी पर उन्हें हिरासत में लिया गया है।

औरैया में अखिलेश यादव का पुतला दहन से सपाई

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में समाजवादी पार्टी से जुड़े कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों पर आरोप लगाते हुए गुरुवार को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। मामला अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के कस्बा मुरादगंज का है, जहां 29 अप्रैल को कथित रूप से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला दहन किया गया। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि भाजपा के कुछ पदाधिकारी और कार्यकर्ता इस घटना में शामिल थे। ज्ञापन देने वाले सपा नेताओं का कहना है कि इस प्रकार की घटनाएं कानून व्यवस्था और राजनीतिक मर्यादा के खिलाफ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की गतिविधियां सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करती हैं, इसलिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रार्थना पत्र देने वालों में चौधरी योगेश सिंह विरासिया पूर्व प्रवक्ता, छात्र सपा और मनदीप सिंह कठेरिया सपा कार्यकर्ता शामिल हैं।

कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

विवादास्पद चुनावी भाषण देने का मामला

मऊ। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के खिलाफ उत्तर प्रदेश के जनपद मऊ की एमपी एमएलए कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। 2019 लोकसभा चुनाव से जुड़े एक मामले में भाजपा नेताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी व जूता मारने की धमकी देने के आरोप में कोर्ट ने वारंट जारी किया है।

मामला हलधरपुर थाना क्षेत्र के रतनपुरा बाजार में हुई एक चुनावी जनसभा से जुड़ा है। शिकायत के अनुसार उस दौरान मंत्री ने मंच से कार्यकर्ताओं को उकसाते हुए भाजपा नेताओं को गाली देने और जूता मारने की बात कही थी, जिसे लोकतांत्रिक मूल्यों और चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन माना गया। इस मामले में एसआई रुद्रभान पांडेय की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गई थी और जांच के बाद पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। हालांकि, आरोप तय होने की प्रक्रिया के दौरान मंत्री के अदालत में उपस्थित न होने पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एमपी-एमएलए कोर्ट) डॉ. कृष्ण प्रताप सिंह ने कड़ा रुख अपनाते हुए बुधवार को गैरजमानती वारंट जारी कर दिया। अब इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 16 मई 2026 की तारीख तय की गई है, जहां मंत्री की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मिचेल स्टार्क की मौजूदगी से दिल्ली कैपिटल्स को मजबूती मिलेगी राजस्थान के खिलाफ

जयपुर। दिल्ली कैपिटल्स के पास पिछले कुछ मैच के निराशाजनक नतीजों पर विचार के लिए अधिक समय नहीं है क्योंकि टीम को शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में आत्मविश्वास से भरी राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है। अक्षर पटेल की अगुआई वाली दिल्ली की टीम के लिए यह सत्र काफी मुश्किलों भरा रहा है। पिछले दो मैच में टीम के प्रदर्शन में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। एक तरफ उन्होंने 250 से अधिक का स्कोर बनाया लेकिन विरोधी टीम ने विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए उस लक्ष्य को हासिल कर लिया वहीं दूसरी तरफ वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ सिर्फ 75 रन पर ऑल आउट हो गए। इसके अलावा इस महीने की शुरुआत में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली एक रन की हार ने दिल्ली को भावनात्मक रूप से काफी चोट पहुंचाई है। तीन जीत और चार हार के साथ वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर हैं और उन्हें जल्द ही अपने प्रदर्शन में सुधार की जरूरत है। दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चिंता उनकी बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी रही है। लोकेश राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी जैसे खिलाड़ियों

ने बीच-बीच में अच्छा योगदान दिया है लेकिन पूरी टीम मिलकर एक साथ अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही है। पिछले मैच में अभिषेक पोरेल ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' के तौर पर बल्लेबाजी करते हुए टीम को शर्मनाक स्कोर पर ऑल आउट होने से बचाया था। यह उस मैच के कुछ सकारात्मक पहलुओं में से एक था। ऐसे में टीम प्रबंधन उन्हें एकादश में मौका देने के बारे में सोच सकता है। गेंदबाजी के मोर्चे पर कुछ अच्छी खबरें भी हैं। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क एक मई से खेलने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मंजूरी मिलने के बाद टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। लुंगी एनगिडी के उपलब्ध नहीं होने के कारण स्टार्क का टीम में शामिल होना दिल्ली के लिए एक बहुत ही जरूरी और सही समय पर मिला सहारा साबित हो सकता है। उम्मीद है कि वे काइल जैमीसन या दुष्मंता चमीरा में से किसी एक की जगह लेंगे। पिछले मैच में 75 रन के छोटे लक्ष्य का बचाव करते हुए दिल्ली के गेंदबाज कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे लेकिन अब उन्हें राजस्थान के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ और भी अधिक सटीक गेंदबाजी करनी होगी। राजस्थान का शीर्ष क्रम काफी आक्रामक रहा है। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बिना किसी डर के जसप्रीत बुमराह, जोश हेजलवुड और पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाजों का शुरू से ही डटकर सामना किया है तो वहीं यशस्वी जायसवाल भी बेहतरीन लय में नजर आ रहे हैं। अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज राजस्थान रॉयल्स की टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ इस मैच में उतर रही है। हाल ही में उन्होंने पंजाब किंग्स को इस सत्र की पहली हार का स्वाद चखाया था। यह नौ मैच में टीम की छठी जीत थी। राजस्थान के लिए एक और सकारात्मक बात यह है कि धीमी शुरुआत के बाद अब उनका मध्य क्रम भी लय में लौट आया है।

टीम इस प्रकार हैं:

राजस्थान रॉयल्स: शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रियान पराग, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), लोकेश राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, आकिब डार, नितीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंता चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव और मिचेल स्टार्क।

समय: मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होगा।

स्पिनर गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे: मुरलीधरन

मुंबई। श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग में स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने कम उम्र से ही यह हुनर नहीं सीखा है और टूर्नामेंट के दौरान इस कला को सीखना मुमकिन नहीं है। मुरलीधरन ने कहा कि आजकल स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने और बल्लेबाजों को सोचने पर मजबूर करने की कला नहीं सीखते क्योंकि उनका ध्यान सिर्फ विविधता के जरिए रन रोकने पर रहता है। मुंबई इंडियन्स के खिलाफ बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद की छह विकेट की जीत के बाद मुरलीधरन ने कहा, "घरेलू क्रिकेट में भी स्पिन गेंदबाजों के लिए हालात ऐसे ही रहे हैं। जब हम क्रिकेट खेलते थे तो एक स्पिनर के तौर पर आपको गेंद को टर्न कराना होता था, यही आपका पहला मकसद होता था। आजकल यह मुख्य बात नहीं रही क्योंकि हर कोई टेस्ट क्रिकेट खेलने के बारे में नहीं सोच रहा है। वे वनडे क्रिकेट खेलने पर अधिक ध्यान दे रहे हैं।" उन्होंने कहा, "कम उम्र में भी वे सिर्फ तेज गेंदबाजी करने और गेंद में विविधता लाने की कोशिश करते हैं, उसे टर्न कराने की नहीं। क्योंकि उन्हें कम उम्र में यह काबिलियत नहीं मिली होती इसलिए वे 18 या 19 साल की उम्र में आकर गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर सकते क्योंकि उनकी 'मसल मेमोरी' (शारीरिक आदतें) पहले से ही वैसी बन चुकी होती हैं।" मुरलीधरन ने कहा, "जब आप 10, 11 या 12 साल के होते हैं तब गेंद को टर्न कराने की कोशिश करें। हमने इसी तरह सीखा था। बल्लेबाज को छकाने के लिए हमें गेंद को टर्न कराना जरूरी होता है।" मुरलीधरन ने कहा कि आईपीएल में स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजी करना 'थ्रो-डाउन विशेषज्ञों' के खिलाफ अभ्यास करने जैसा है क्योंकि इसमें बस गेंद की लाइन में आकर उसे जोर से मारना होता है। जब उनसे पूछा गया कि वह और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉर्न बल्लेबाजों के अनुकूल हालात में कैसे खेलते तो मुरलीधरन ने कहा कि वे इतने महंगे साबित नहीं होते।

मुरलीधरन ने कहा, "देखिए हम गेंद को टर्न तो जरूर कराते लेकिन हम कोई बड़ा असर नहीं डाल पाते। शायद हम एक या दो विकेट ही ले पाते। वे (फिर भी) हमारे खिलाफ आसानी से 40 रन बना लेते क्योंकि विकेट इतने अच्छे होते हैं।" उन्होंने कहा, "शेन वॉर्न भी एक कमाल के खिलाड़ी थे क्योंकि वह गेंद को घुमा सकते थे और चमत्कार कर सकते थे। (लेकिन) खेल अब बदल गया है। हम अलग-अलग दौर की तुलना नहीं कर सकते। जिस तरह से खिलाड़ी बल्लेबाजी करते हैं, खिलाड़ियों की मानसिकता... ये वो चीजें हैं जो बदल गई हैं।" इस पूर्व दिग्गज स्पिनर ने कहा, "हम अतीत के बारे में नहीं सोच सकते। ठीक है हम अपने समय के महान खिलाड़ी थे लेकिन अब ये लोग महान हैं क्योंकि खेल इसी दिशा में आगे बढ़ा है।" मुरलीधरन ने कहा कि बल्ले और गेंद के बीच मुकाबले में संतुलन बनाने का एकमात्र तरीका निष्पक्ष विकेट (जिनसे बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को समान मदद मिले) तैयार करना है। उन्होंने कहा, "अगर हम निष्पक्ष विकेट दे सकें, लेकिन फिर दर्शक ऊबने लगेंगे। क्रिकेट प्रेमी और बहुत कम उम्र के क्रिकेटर, टी20 के चाहने वाले बहुत अधिक मनोरंजन चाहते हैं।

बुमराह के पीछे नहीं पड़ें, मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा

मुंबई। मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज तेज गेंदबाज का भी कभी-कभी दिन खराब हो सकता है या उनका सत्र अच्छा नहीं जा सकता। उन्होंने भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज को थोड़ी राहत देने की अपील की जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में अपना तीसरा सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल डाला। बुमराह ने बुधवार को सनराइजर्स के खिलाफ चार ओवर में 54 रन लुटाए जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। हैदराबाद ने यह मैच छह विकेट से जीता। मुंबई इंडियन्स ने रेयान रिकेल्टन के नाबाद 123 रन की मदद से पांच विकेट पर 243 रन बनाए लेकिन सनराइजर्स ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 249 रन बनाकर जीत हासिल की। जब संवाददाताओं ने बुमराह की मौजूदा आईपीएल में गेंदबाजी पर सवाल किए तो पोलार्ड ने कहा, "जब कोई क्रिकेटर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा होता है तो हम हर उस पहलू पर गौर करते हैं कि वह अच्छा क्यों नहीं कर रहा है और

जसप्रीत बुमराह के मामले में भी कोई फर्क नहीं है।" उन्होंने कहा, "उन्होंने वर्षों से ऐसा किया है। एक इंसान होने के नाते आपको भी गलतियां करने, दिन खराब होने, सत्र खराब होने या कुछ महीने खराब जाने का हक है। मुझे बस लगता है कि हमें कभी-कभी उन अच्छी चीजों को याद रखना चाहिए जो उन्होंने की हैं।" पोलार्ड ने कहा, "हां, हम वर्तमान में जीने की कोशिश करते हैं और वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं लेकिन वह लंबे समय से मुंबई इंडियन्स और भारत के लिए नंबर एक गेंदबाज रहे हैं। मुझे बस लगता है कि कभी-कभी हम क्रिकेटरों को थोड़ी राहत दे सकते हैं क्योंकि हमारी बदकिस्मती है कि हम हमेशा लोगों की नजरों में रहते हैं इसलिए जब हम खराब प्रदर्शन करते हैं तो उसे हमेशा अधिक उछाला जाता है।" पोलार्ड ने कहा कि इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को थोड़ी राहत देने से उन्हें लंबे समय में फायदा भी हो सकता है। उन्होंने कहा, "मुझे पता है कि वह और भी ऊंचाइयों पर पहुंचकर जोरदार वापसी करेंगे और विकेट लेंगे और हम सब एक बार फिर ना सिर्फ मुंबई इंडियन्स के लिए बल्कि भारत के लिए भी 'बुमराह-बुमराह' के नारे लगा रहे होंगे।" पोलार्ड ने स्वीकार किया कि मुंबई इंडियन्स की टीम अभी तक अपना संपूर्ण प्रदर्शन नहीं कर पाई है लेकिन उन्होंने यह मानने से इनकार कर दिया कि इस सत्र में उनकी टीम 'हार' गई है।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल: एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच पहला मुकाबला 1-1 से ड्रॉ

मैड्रिड। यूईएफए चैंपियंस लीग 2026 के सेमीफाइनल के पहले चरण में एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। यह मैच जहां एक ओर रणनीतिक रूप से कड़ा रहा, वहीं गोल के मौके सीमित देखने को मिले। पहले हाफ में आर्सेनल ने बढ़त बनाई। 44वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस को पेनल्टी मिली, जिसे उन्होंने शानदार तरीके से गोल में बदलते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, दूसरे हाफ में एटलेटिको मैड्रिड ने वापसी की। 56वें मिनट में वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) की मदद से बेन व्हाइट के हैंडबॉल का फैसला हुआ, जिसके बाद जूलियन अल्वारेज ने पेनल्टी को गोल में तब्दील कर स्कोर 1-1 कर

दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने मौके बनाए, लेकिन कोई भी बढ़त नहीं ले सका। एटलेटिको के एंटोनी ग्रिज़मैन का शॉट क्रॉसबार से टकराया, जबकि आर्सेनल को मिला एक और पेनल्टी मौका वीएआर समीक्षा के बाद रद्द कर दिया गया। मैच के बाद एटलेटिको मैड्रिड के कप्तान कोके ने कहा, "हमने पूरा प्रयास किया। शुरुआती गोल पेनल्टी से मिला, जो मुझे थोड़ा संदिग्ध लगा। हमारे पास मैच जीतने के मौके थे, लेकिन अब फैसला दूसरे चरण में होगा। उनकी रक्षा मजबूत है और आगे उनके खिलाड़ी काफी तेज हैं। हम अपने मौकों को भुना नहीं सके। हमें उम्मीद है कि लंदन में होने वाला अगला मैच इस सत्र में हमारा आखिरी मुकाबला नहीं होगा।" आर्सेनल के गोलस्कोरर विक्टर ग्योकेरेस ने कहा, "पहले हाफ में हमने मैच पर अच्छा नियंत्रण रखा। दूसरे हाफ में उन्होंने बेहतर खेल दिखाया और शायद गोल के हकदार भी थे। कुल मिलाकर यह एक कठिन मुकाबला रहा। घरेलू मैदान और दर्शकों के समर्थन के साथ अगला मैच अलग होगा। हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा।" अब दोनों टीमों के बीच दूसरा चरण 5 मई को लंदन में खेला जाएगा। इस मुकाबले का विजेता फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन या बायर्न म्यूनिख से भिड़ेगा। फिलहाल पीएसजी को पहले चरण में 5-4 की बढ़त हासिल है।

पीलीभीत में बासमती और जैविक प्रशिक्षण केंद्र खुलेगा, एपीडा का यूपी सरकार से समझौता

नई दिल्ली। देश में बासमती चावल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए पीलीभीत में बासमती और जैविक प्रशिक्षण केंद्र खोला जायेगा। इसके लिए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ 70 वर्ष के पट्टे समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

पीलीभीत के टांडा बिजैसी में बासमती और जैविक प्रशिक्षण केंद्र-सह-प्रदर्शन फार्म की स्थापना के लिए भूमि हस्तांतरण को औपचारिक रूप दिया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक प्रस्तावित बासमती एवं जैविक प्रशिक्षण केंद्र-सह-प्रदर्शन फार्म लगभग सात एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इस केंद्र में सभागार, बासमती एवं जैविक खेती पर संग्रहालय और गैलरी, सम्मेलन कक्ष, प्रयोगशाला और जैविक खेती के लिए आवश्यक सामग्री के भंडारण की सुविधा उपलब्ध होगी। यह सुविधा बासमती एवं जैविक

किसानों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में सहायक होगी और कृषि विशेषज्ञों एवं छात्रों के लिए एक संसाधन केंद्र के रूप में भी कार्य करेगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने इस पहल की सराहना करते हुए पीलीभीत को बासमती चावल के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र के रूप में विकसित करने की अपार संभावनाओं की जानकारी दी। जितिन प्रसाद ने भारत की पहली एआई-आधारित बासमती धान सर्वेक्षण परियोजना (2026-2028) का भी अनावरण किया, जिसे एपीईडीए अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ (एआरआईईए) के सहयोग से कार्यान्वित किया जाएगा। और बेहतर निर्यात योजना में सहयोग करना है। इस कार्यक्रम में वाणिज्य और उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, जिले के वरिष्ठ जन प्रतिनिधि, एपीईडीए के अधिकारी, उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य हितधारक उपस्थित थे। एपीडा सतत कृषि पद्धतियों को अपनाने में सहायता के लिए प्रशिक्षण, प्रमाणन सहायता और बाजार संपर्क पहलों के जरिए जैविक खेती को बढ़ावा दे रहा है। ये प्रयास पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार उत्पादों की वैश्विक मांग के अनुरूप हैं। भारत का भौगोलिक संकेत (जीआई) प्राप्त उत्पाद मंत्रालय ने बताया कि यह परियोजना लगभग 40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करेगी, 150,000 से अधिक जमीनी स्तर के सर्वेक्षण बिंदुओं से डेटा एकत्र करेगी और 500,000 से अधिक किसानों के साथ मिलकर कार्य करेगी। इसका उद्देश्य सटीक फसल मूल्यांकन, किस्मों की पहचान, वैज्ञानिक परामर्श सेवाएं बासमती चावल का निर्यात 2025-26 में 5.67 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का रहा, जिसमें निर्यात की मात्रा लगभग 65 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई। इस क्षेत्र की मध्य पूर्व, यूरोप और उत्तरी अमेरिका के बाजारों में मजबूत उपस्थिति के साथ भारत के कृषि निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देना जारी है।

चीनी उत्पादन में मौजूदा सत्र में अब तक सात प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। भारत में 2025-26 विपणन सत्र में अब तक चीनी उत्पादन 7.32 प्रतिशत बढ़कर 2.752 करोड़ टन रहा। उद्योग संगठन 'भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा विनिर्माता संघ' (इस्मा) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पिछले वर्ष की समान अवधि (30 अप्रैल तक) में यह उत्पादन 2.564 करोड़ टन था। चीनी विपणन सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। इस्मा के अनुसार, देश के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन 80.9 लाख टन से बढ़कर 99.2 लाख टन हो गया जबकि कर्नाटक में यह 40.4 लाख टन से बढ़कर 48 लाख टन पहुंच गया।

अधिक है। 'एथनॉल डायवर्जन' से तात्पर्य गन्ने के रस या चीनी के शीरे या बी-हैवी मोलासेस को चीनी बनाने के बजाय एथनॉल बनाने की प्रक्रिया में इस्तेमाल करना है। पेराई गतिविधि अब लगभग समाप्त हो चुकी है और केवल पांच चीनी मिल ही चालू हैं जबकि पिछले वर्ष इसी समय 19 मिल काम कर रही थीं। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक की सभी मिल मुख्य सत्र के लिए बंद हो चुकी हैं। हालांकि कर्नाटक की कुछ इकाइयां जून-जुलाई 2026 में विशेष सत्र में काम करेंगी। तमिलनाडु में भी कुछ मिल विशेष सत्र के दौरान संचालित होंगी और ऐतिहासिक रूप से ये दोनों राज्य इस अवधि में लगभग पांच लाख टन उत्पादन करते हैं। सत्र के समापन के करीब पहुंचने के साथ उद्योग ने चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) में शीघ्र संशोधन की मांग की जा रही है। उद्योग का कहना है कि उत्पादन लागत बढ़ने और मिल स्तर पर कम प्राप्तियों से नकदी प्रवाह पर दबाव पड़ रहा है जिससे गन्ना भुगतान बकाया बढ़ रहा है। केवल महाराष्ट्र में ही अप्रैल मध्य तक गन्ना भुगतान बकाया 2,130 करोड़ रुपये पहुंच गया जो पिछले वर्ष इसी अवधि के 752 करोड़ रुपये से लगभग तीन गुना है। उद्योग ने सरकार से एथनॉल मिश्रण लक्ष्य को मौजूदा ई20 कार्यक्रम से आगे बढ़ाकर ई25 और ई85/ई100 जैसे उच्च स्तर तक ले जाने का भी आग्रह किया है। इसके साथ ही 'फ्लेक्स-फ्यूल' वाहनों के तेजी से विस्तार और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों के युक्तिकरण की मांग की गई है। संगठन ने यह भी कहा कि एथनॉल खरीद मूल्य में देरी से संशोधन के कारण इकाइयों की क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है।

इन्फोसिस विशाखापत्तनम में 20 एकड़ का स्थायी परिसर स्थापित करेगी

अमरावती। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इन्फोसिस ने विशाखापत्तनम में 20 एकड़ में स्थायी परिसर स्थापित करने की योजना की घोषणा की है, जो इस क्षेत्र की आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी संभावनाओं में उसके विश्वास को दर्शाता है।

कंपनी की बृहस्पतिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह सुविधा 7,000 पेशेवरों का संभालने की क्षमता के हिसाब से तैयार की जाएगी। इसमें कहा गया कि पिछले दो वर्ष में बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम में इन्फोसिस की वृद्धि तेज रही है जहां कर्मचारियों की संख्या 250 से बढ़कर 1,900 हो गई है। निकट भविष्य में अतिरिक्त 750 पद सृजित होंगे। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, " कंपनी ने 20 एकड़ में स्थायी परिसर की योजना बनाई है जिसकी दीर्घकालिक क्षमता 7,000 पेशेवरों की होगी जो इस क्षेत्र की दीर्घकालिक संभावनाओं में मजबूत विश्वास को दर्शाती है।" इस बीच, आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि विशाखापत्तनम का आईटी केंद्र के रूप में विकास स्थानीय प्रतिभा की ताकत और उसके आसपास बन रहे परिवेश तंत्र का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब है। नारा लोकेश ने कहा, " हमारा दृष्टिकोण एक जीवंत, प्रतिभा-प्रथम परिवेश बनाने का है जहां उद्योग, शिक्षाजगत तथा सरकार मिलकर समन्वय के साथ काम करें। इन्फोसिस का विशाखापत्तनम में विस्तार इस दृष्टिकोण की मजबूत पुष्टि करता है और आंध्र प्रदेश को प्रौद्योगिकी एवं नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूती देता है।"

वारी एनर्जीज का चौथी तिमाही में मुनाफा 75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,126 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। वारी एनर्जीज लिमिटेड का 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ करीब 75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,126 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 644.47 करोड़ रुपये रहा था। वारी एनर्जीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय दोगुनी से अधिक होकर 8,659.98 करोड़ रुपये रही जो 2024-25 की समान तिमाही में 4,140.92 करोड़ रुपये थी। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में वारी एनर्जीज लिमिटेड का शुद्ध लाभ बढ़कर 3,884.15

करोड़ रुपये हो गया जो 2024-25 में 1,928.13 करोड़ रुपये था। कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2026 को समाप्त वर्ष के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रति शेयर पर दो रुपये (20 प्रतिशत) का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है। इसे आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों की मंजूरी के बाद लागू किया जाएगा। निदेशक मंडल ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) या अन्य अनुमेय माध्यमों से 10,000 करोड़ रुपये तक जुटाने को भी मंजूरी दी है। हालांकि यह भी शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जिग्नेश राठौड़ ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 का प्रदर्शन चीन के बाहर ऊर्जा बदलाव को बढ़ावा देने वाले सबसे बड़े प्रदाताओं में से एक बनने की दिशा में घोषित ढांचे के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

रोब्लॉक्स ने सुनील राव को भारत इकाई का प्रबंध निदेशक किया नियुक्त

नई दिल्ली। गेमिंग कंपनी रोब्लॉक्स ने सुनील राव को भारत इकाई का प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राव देश में रोब्लॉक्स के वरिष्ठ प्रतिनिधि एवं बाजार प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। वे स्थानीय दलों और भागीदारों के साथ मिलकर भारत में कंपनी की रणनीति के दैनिक क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेंगे। कंपनी बयान के अनुसार, " रोब्लॉक्स ने सुनील राव को रोब्लॉक्स इंडिया का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। राव मई में कंपनी से जुड़ेंगे और भारत में कंपनी की स्थानीय उपस्थिति को मजबूत करने, साझेदारियों को बढ़ावा देने, 'क्रिएटर इकोसिस्टम' को समर्थन देने तथा स्थानीय बाजार की जरूरतों को वैश्विक उत्पाद तथा व्यावसायिक प्राथमिकताओं के साथ जोड़ने का काम करेंगे।" राव इससे पहले अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) में नेतृत्व दल का हिस्सा थे।

'आखिरी सवाल' को लेकर मेकर्स की बढ़ी चिंता

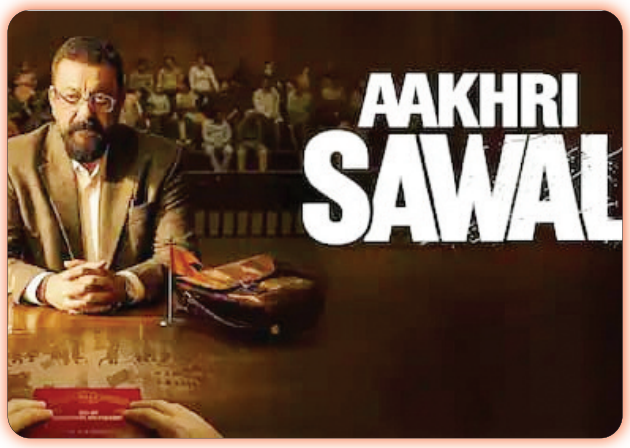

संजय दत्त की आगामी फिल्म 'आखिरी सवाल' 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन फिल्म का ट्रेलर अब तक सामने नहीं आया है। पहले माना जा रहा था कि ट्रेलर 30 अप्रैल तक रिलीज कर दिया जाएगा, मगर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई। अब खबर है कि फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से अभी मंजूरी नहीं मिल पाई है, जिसकी वजह से ट्रेलर की रिलीज रोक दी गई है। सूत्रों के अनुसार, सेंसर बोर्ड ने ट्रेलर में कुछ बदलाव सुझाए हैं। इसी कारण निर्माताओं ने फिलहाल ट्रेलर की रिलीज को टाल दिया है। बताया जा रहा है कि ट्रेलर लॉन्च के लिए एक बड़ा कार्यक्रम भी तैयार किया गया था, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू शामिल होने वाली थी, लेकिन सेंसर प्रक्रिया पूरी न होने से यह योजना आगे नहीं बढ़ सकी। अभिजीत मोहन वारंग के निर्देशन में बनी 'आखिरी सवाल' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल के सफर से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म में संजय दत्त मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके साथ अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी और त्रिधा चौधरी भी अहम किरदारों में दिखाई देंगे। अब दर्शकों की नजरें इस बात पर हैं कि फिल्म को सेंसर बोर्ड से कब मंजूरी मिलती है और ट्रेलर कब जारी किया जाता है।

सुभाष घई ने 'ताल 2' पर दी जानकारी

निर्देशक सुभाष घई की सुपरहिट फिल्म 'ताल' के सीक्वल को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं के बीच अब बड़ा अपडेट सामने आया है। सुभाष घई ने पुष्टि की है कि वह 'ताल 2' पर काम कर रहे हैं और इसकी आधिकारिक घोषणा अक्टूबर तक की जा सकती है। इस खबर के सामने आने के बाद फिल्म के प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया है। एक बातचीत में सुभाष घई ने बताया कि 'ताल 2' एक नई संगीतमय प्रेम कहानी होगी। उन्होंने साफ किया कि पिछली फिल्म के कलाकार ऐश्वर्या राय, अक्षय खन्ना और अनिल कपूर इस बार फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे। उनके अनुसार, कहानी को नए दौर के हिसाब से तैयार किया जा रहा है और इसमें मुख्य भूमिकाओं के लिए नए चेहरों को लिया जाएगा। सुभाष घई ने यह भी बताया कि वह पिछले कुछ वर्षों से इस फिल्म की कहानी पर काम कर रहे हैं और इसकी दुनिया को पूरी तरह विकसित कर चुके हैं। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि इस बार वह खुद निर्देशन नहीं करेंगे, बल्कि किसी नामी निर्देशक को यह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि 'ताल 2' के अलावा वह अपनी चर्चित फिल्म 'कर्मा' के दूसरे भाग पर भी काम कर रहे हैं।

वायरल रील्स पर बोले राहुल रॉय, ट्रोल्स को दिया जवाब

अभिनेता राहुल रॉय ने हाल ही में उन वायरल रील्स को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है, जिनकी वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा था। कंटेंट क्रिएटर डॉ. वनिता घड़ागे देसाई के साथ बनाए गए वीडियो पर मिल रही आलोचनाओं के बीच राहुल ने कहा कि अगर लोग उनकी सादगी या संघर्ष का मजाक बनाते हैं, तो यह उनकी नहीं बल्कि सोच की कमी दिखाता है। राहुल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वह ईमानदारी और विनम्रता के साथ अपना काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुछ पुराने कानूनी मामलों की वजह से उन्हें आर्थिक जिम्मेदारियां निभानी हैं, जो उनके ब्रेन स्ट्रोक से पहले के हैं। अभिनेता ने कहा कि अगर लोग सच में उनकी चिंता करते हैं, तो उन्हें सम्मानजनक काम दिलाने में मदद करें, ताकि वह अपनी जिम्मेदारियां खुद पूरी कर सकें। अभिनेता ने यह भी बताया कि ब्रेन स्ट्रोक के बाद उनके लिए सक्रिय रहना बेहद जरूरी है। उनके अनुसार, काम उन्हें मानसिक रूप से मजबूत रखता है और जिंदगी में उद्देश्य का एहसास कराता है। राहुल ने माना कि सोशल मीडिया पर हो रही आलोचनाओं से उन्हें दुख जरूर पहुंचा है, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि वह इन बातों से टूटने वाले नहीं हैं।

'भूत बंगला' की कमाई में गिरावट जारी

अक्षय कुमार की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला 100 करोड़ क्लब में शामिल होने के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर स्थिर प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। फिल्म की सफलता को देखते हुए निर्माताओं ने दर्शकों के लिए एक टिकट पर एक मुफ्त टिकट की पेशकश की है, जो 3 मई तक लागू रहेगी। इसके बावजूद फिल्म की कमाई में गिरावट देखने को मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने 12वें दिन 4.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि 13वें दिन यह घटकर 3.40 करोड़ रुपये रह गया। यह अब तक का सबसे कम दैनिक कलेक्शन माना जा रहा है। इसके साथ ही फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 124.65 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, राजपाल यादव, परेश रावल, तब्बू और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। दूसरी ओर 'माइकल' ने छठे दिन 2.30 करोड़ रुपये कमाकर 23.45 करोड़ का कुल कारोबार कर लिया है। वहीं 'गिन्नी वेड्स सन्नी 2' की रफ्तार बेहद धीमी बनी हुई है और छह दिनों में फिल्म सिर्फ 1.52 करोड़ रुपये ही जुटा सकी है।

कराची में 'सिंगल-स्क्रीन' सिनेमाघरों की वापसी, तीन नए हॉल जल्द खुलेंगे

कराची। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में बंद होते 'सिंगल-स्क्रीन' सिनेमाघरों के दौर के बीच तीन नए हॉल खुलने जा रहे हैं, जिससे शहर के सुस्त पड़े फिल्म उद्योग में नयी जान आने की उम्मीद है। 1980 के दशक में करीब 140 'सिंगल-स्क्रीन' सिनेमाघर वाले इस महानगर में अब इनकी संख्या घटकर 30 से भी कम रह गई है, जो सिने प्रेमियों के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रही है।

हालांकि, अब स्थिति में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। शॉपिंग मॉल या आवासीय इमारतों के लिए सिनेमाघरों को तोड़ने की प्रवृत्ति के विपरीत, शहर में तीन नए 'सिंगल-स्क्रीन' हॉल खोले जा रहे हैं। इस परियोजना का नेतृत्व कर रहे गायक, अभिनेता और उद्यमी नदीम जाफरी ने बताया कि यह पहल 'रक्षा आवास प्राधिकरण' के सहयोग से की जा रही है। उन्होंने कहा कि दो सिनेमाघर लगभग तैयार हैं, जबकि तीसरे पर काम शुरू हो चुका है। जाफरी ने स्वीकार किया कि ये सभी सिनेमाघर 'डीएचए' क्षेत्र में होंगे, लेकिन इसे एक सकारात्मक शुरुआत बताते हुए उन्होंने कहा, "उम्मीद है कि इन नए सिनेमाघरों से शहर के सांस्कृतिक और मनोरंजन परिदृश्य को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी।" पिछले करीब 30 वर्षों में स्थानीय फिल्म उद्योग में गिरावट और भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध के कारण कई सिनेमाघर बंद हो गए, जिससे कारोबारियों के लिए टिके रहना मुश्किल हो गया। हाल के वर्षों में कुछ मल्टीप्लेक्स जरूर खुले, लेकिन उनके टिकट 1500 से 1800 रुपये तक महंगे होने के कारण आम लोगों की पहुंच से बाहर हैं, जबकि 1990 के दशक तक 'सिंगल-स्क्रीन' सिनेमाघरों में टिकट 100-150 रुपये में मिल जाता था। 'आर्ट काउंसिल ऑफ पाकिस्तान' के सचिव ऐजाज फारुकी ने कहा कि हाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय उर्दू सम्मेलन के दौरान सिनेमा पर चर्चा में कलाकारों और फिल्मकारों ने कहा कि आम लोगों के लिए सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक दबाव को कम करने का माध्यम भी है। पाकिस्तान के वरिष्ठ अभिनेता मुस्तफा कुरैशी ने कहा कि फिल्में लोगों के लिए भावनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम होती हैं और इनके अभाव में लोग अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए अन्य, कभी-कभी खतरनाक रास्ते अपना सकते हैं। वितरक और निर्माता नदीम मांडवीवाला ने कहा कि कराची में कभी 100 से अधिक सिनेमाघर थे, जिनमें निशात सिनेमा, प्रिंस सिनेमा और बैम्बीनो सिनेमा जैसे प्रमुख थे, जो अब बंद हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि कम स्थानीय फिल्मों और हॉलीवुड फिल्मों के महंगे आयात ने भी इस स्थिति को प्रभावित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि 2019 के बाद भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध ने उद्योग को बड़ा झटका दिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि लोग अब भी सिनेमाघरों में फिल्म देखने का अनुभव पसंद करते हैं। फिल्म समीक्षक उमैर अल्वी ने कहा कि सिनेमा व्यवसाय को बचाने के लिए सरकारी पहल के जरिए स्थानीय फिल्म उद्योग को पुनर्जीवित करना आवश्यक है। उद्योग से जुड़े लोगों का मानना है कि जब तक आम दर्शकों के लिए सुलभ सिनेमाघर नहीं बनते, तब तक सिनेमा की असली वापसी संभव नहीं है

ट्रंप ने ईरान को लेकर तनाव के बीच जर्मनी में अमेरिकी सैनिकों की संख्या घटाने की चेतावनी दी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सहयोगी जर्मनी को चेतावनी देते हुए संकेत दिया कि वह वहां तैनात अमेरिकी सैनिकों की संख्या कम कर सकते हैं। यह बयान ईरान और अमेरिका-इजराइल युद्ध को लेकर जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ बढ़ते तनाव के बीच आया है। मर्ज ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि ईरानी नेतृत्व के सामने अमेरिका "अपमानित" हो रहा है और उन्होंने युद्ध में वाशिंगटन की रणनीति पर सवाल उठाए थे। इसके बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि अमेरिका जर्मनी में सैनिकों की तैनाती में कटौती की संभावना की समीक्षा कर रहा है और इस पर जल्द फैसला लिया जाएगा। अपने पहले कार्यकाल में भी ट्रंप ने अमेरिकी रक्षा खर्च को कम बताते हुए जर्मनी से सैनिक घटाने की घोषणा की थी। 2020 में उन्होंने लगभग 34,500 में से 9,500 सैनिक वापस बुलाने की बात कही थी, लेकिन यह योजना लागू नहीं हो सकी। बाद में राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2021 में इस निर्णय को रद्द कर दिया था। जर्मनी में अमेरिका के कई महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाने हैं, जिनमें यूरोपीय और अफ्रीकी कमान मुख्यालय, रामस्टीन एयर बेस और एक क्षेत्रीय मेडिकल सेंटर शामिल हैं। मर्ज ने कहा कि ट्रंप के साथ उनके संबंध अच्छे हैं, लेकिन ईरान युद्ध को लेकर उन्हें शुरुआत से ही संदेह था। उन्होंने चेतावनी दी कि इस संघर्ष के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान हो रहा है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से, जहां से विश्व का लगभग 20 प्रतिशत तेल गुजरता है। ट्रंप ने पलटवार करते हुए मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिखा, "जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज को लगता है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना ठीक है। उन्हें पता ही नहीं है कि वह क्या कह रहे हैं।" ट्रंप ने कहा कि इसमें कोई हैरानी नहीं है कि "जर्मनी आर्थिक रूप से और अन्य मामलों में बहुत खराब प्रदर्शन कर रहा है।

महाराजा चार्ल्स को कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करूंगा: मेयर ममदानी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि वह महाराजा चार्ल्स तृतीय को कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स अमेरिका की राजकीय यात्रा पर आए हुए थे। ममदानी ने बुधवार को उनसे मुलाकात करने से पहले संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया जिसमें उनसे पूछा गया था कि वह महाराजा से मिलने पर क्या कहेंगे, इस पर उन्होंने कहा, "अगर मैं महाराजा से अलग से बात करता तो मैं संभवतः उन्हें कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करता।" मंगलवार को महाराजा चार्ल्स ने अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें और महारानी कैमिला को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में ट्रंप एवं प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप द्वारा आयोजित राजकीय रात्रिभोज में सम्मानित किया गया था। महाराजा चार्ल्स और महारानी कैमिला ने न्यूयॉर्क में स्थित 9/11 स्मारक का दौरा किया और आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपर मैनहट्टन में बच्चों और परिवारों का समर्थन करने वाले शहरी फार्म के नेटवर्क 'हार्लेम ग्रोन' का भी दौरा किया। ममदानी ने 9/11 स्मारक पर महाराजा चार्ल्स से मुलाकात की। 105.6 कैरेट का कोहिनूर हीरा महाराजा दलीप सिंह द्वारा 1849 में महारानी विक्टोरिया को भेंट किया गया था। इसे 1937 में महारानी ने अपने मुकुट में जड़वाया था। भारत ने संकेत दिया है कि वह ब्रिटेन से कोहिनूर हीरे को वापस लाने के तरीकों का पता लगाना जारी रखेगा। भारत समय-समय पर ब्रिटेन सरकार के समक्ष इस मुद्दे को उठाता रहा है और उसने कहा है कि वह इस मामले का संतोषजनक समाधान निकालने के लिए प्रयासरत रहेगा। कोहिनूर हीरा वर्तमान में लंदन टावर में रखा गया है। हिस्टोरिक रॉयल पैलेसेस चैरिटी के अनुसार, महारानी एलिजाबेथ के मुकुट में जड़े इस हीरे के कई पूर्व मालिक रहे हैं जिनमें मुगल सम्राट, ईरान के शाह, अफगानिस्तान के अमीर और सिख महाराजा शामिल हैं।

प्रधानमंत्री का बुद्ध जयंती पर लुंबिनी दौरा रद

काठमांडू। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह का लुंबनी दौरा रद हो गया है। उनके 2570वीं बुद्ध जयंती समारोह में सहभागी होने के लिए पूरी तैयारी की गई थी। प्रधानमंत्री सचिवालय ने दौरा रद होने की पुष्टि की है। स्पीकर डीपी अर्याल को मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में भेजने का निर्णय लिया गया है। लुंबनी में 1 मई को बुद्ध जयंती समारोह शुरू होना है। प्रधानमंत्री का दौरा तय होने पर लुम्बिनी विकास कोष ने विशेष तैयारियां की थीं। कार्यक्रम के अनुसार, प्रधानमंत्री को केवल पूजा में शामिल होना था। इसके लिए पूरे जिले में तैयारी पूरी कर ली गई थी। तय कार्यक्रम के मुताबिक, वे 30 अप्रैल की शाम रूपन्देही पहुंचने और 1 मई की सुबह पूजा करने वाले थे। अब तक यह परंपरा रही है कि राष्ट्र प्रमुख या सरकार प्रमुख बुद्ध जयंती समारोह में शामिल होकर औपचारिक भाषण देते रहे हैं।

महाराजा चार्ल्स का अमेरिका दौरा बताता है कि कूटनीति में राजशाही की भूमिका कम नहीं हुई

मेलबर्न। महाराजा चार्ल्स तृतीय के हालिया अमेरिका दौरे ने यह संकेत दिया है कि युद्ध और कूटनीतिक तनाव के समय में भी राजशाही का प्रभाव बना रहता है। फरवरी में व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक राजा की तरह प्रस्तुत करने वाली तस्वीरें जारी की थीं। इस सप्ताह उन्हें एक वास्तविक सम्राट की मेजबानी करने का अवसर मिला, जब महाराजा चार्ल्स और महारानी कैमिला आधिकारिक दौरे पर अमेरिका पहुंचे। इस दौरान शाही दंपति का वॉशिंगटन और न्यूयॉर्क में ऐसा स्वागत किया गया, मानो वे अटलांटिक पार मौजूद तथाकथित "विशेष संबंध" के प्रतीक हों, जिस पर ब्रिटेन लंबे समय से जोर देता रहा है। हालांकि, यह संबंध हाल के समय में तनावपूर्ण हो गए हैं, क्योंकि ब्रिटेन ने ईरान के खिलाफ जारी युद्ध में भाग लेने से इनकार कर दिया जिस पर ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के खिलाफ तीखी टिप्पणियां की हैं। अमेरिका के साथ संबंध मजबूत करने के लिए राजशाही का उपयोग करना ब्रिटेन की पुरानी परंपरा रही है, जबकि यह तथ्य भी है कि अमेरिका स्वयं राजशाही शासन के खिलाफ विद्रोह के बाद अस्तित्व में आया था। ट्रंप एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति हैं जिन्हें ब्रिटेन में दो बार राजकीय दौरे का सम्मान मिला है और वह महाराजा के साथ अपनी मित्रता की खुलकर सराहना करते हैं। संवैधानिक सम्राट होने के कारण महाराजा चार्ल्स सरकार के विचारों से अलग कोई राय सार्वजनिक रूप से व्यक्त नहीं कर सकते। उदाहरण के लिए, यदि ट्रंप ईरान पर हमले में शामिल नहीं होने की ब्रिटेन की नीति की आलोचना करें या फॉकलैंड द्वीपों पर अर्जेंटीना के दावे का समर्थन करने की बात उठाएं, तो राजा सीधे जवाब नहीं दे सकते। ओवल ऑफिस में ट्रंप से मुलाकात और अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करते हुए महाराजा चार्ल्स ने इस बात पर जोर दिया कि अस्थायी मतभेदों के बावजूद दोनों देश "मानव इतिहास के सबसे महान गठबंधनों में से एक" से जुड़े हुए हैं। अपने बेहद सावधानी से तैयार भाषण में उन्होंने उन मुद्दों का भी उल्लेख किया, जहां दोनों देशों के बीच मतभेद हैं, जैसे कि यूक्रेन की रक्षा के लिए "अडिग संकल्प" की आवश्यकता। पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए उन्होंने जलवायु परिवर्तन का भी उल्लेख किया, जो ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं रहा है। महाराजा ने 'ऑकस' (एयूकेयूएस) का भी जिक्र किया, जिससे यह संकेत मिला कि वह ऑस्ट्रेलिया सहित 14 अन्य देशों के भी राष्ट्र प्रमुख हैं। हालांकि, इस दौरे को पूरी तरह ब्रिटेन के प्रतिनिधित्व के रूप में देखा गया, जो राजशाही की जटिल संरचना को दर्शाता है। औपचारिकताओं से परे, यह सवाल बना हुआ है कि क्या यह दौरा ट्रंप की विदेश नीति को प्रभावित करेगा? ट्रंप स्वयं को एक कुशल सौदेबाज मानते हैं और यह भी समझते हैं कि महाराजा अपने 15 क्षेत्रों के लिए कोई समझौते नहीं करते। संभावना जताई जा रही है कि निजी तौर पर महाराजा ने ट्रंप के कुछ विचारों को नरम करने की कोशिश की हो। उन्होंने फॉकलैंड द्वीपों के निवासियों की ब्रिटिश पहचान के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को भी समझाने का प्रयास किया होगा।